भाद्रपद कृष्ण पक्ष-7, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 64 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 अगस्त 2024
रविवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

भगवान कृष्ण को लेकर बेवजह का विरोध

भगवान कृष्ण की कल यानि सोमवार को जन्माष्टमी यानि उनका उनका जन्मदिन मंदिरों से लेकर उज्जैन के उस सांदीपनि आशम तक जमकर मनेगा। यही नहीं विष्णू के एक और अवतार भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव से लेकर प्रदेश के सरकारी गैर सरकारी स्कूलों और कालेजों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए भगवान कृष्ण की शिक्षा से उस सनातन पीढ़ी को समाया जाएगा जो उसे पता ही नहीं है। हालांकि भोपाल मध्य के कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने जन्माष्टमी के सरकारी स्तर पर आयोजन को लेकर सख्त ऐतराज किए हैं लेकिन यदुवंशी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इसे यह कहकर सिरे से खारिज कर दिया कि कार्यक्रम तो होंगे। जिन कांग्रेसियों को यह रास नहीं आ रहा वो भगवान कृष्ण के मंदिर जाना छोड़ दें। मोहन यादव के सुर में सुर मिलाते हुए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विष्णू शर्मा ने उनके इस फैसले की दिल खोलकर तारीफ की है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

इस तरह के विरोध की राजनीति के बीच लोगों को यह समझना चाहिए कि भारत मूलतःभगवान राम भगवान कृष्ण का देश है। भगवान राम ने हमें मर्यादा का पाठ पढ़ाया तो कृष्ण ने हमें कर्म की महत्ता को समझाया। बताया कि जहां कर्म है वहीं धर्म है और जहां अकर्म है वहां अधर्म। यह देश शास्त्र और शस्त्र की परंपरा का निर्वाहक रहा है। पहले शास्त्रार्थ करो जब इससे बात नहीं बने तो ही शस्त्र उठाएं। इसका बेजा इस्तेमाल कतई नहीं किया जाए।

इस लिहाज से मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मर्यादा और कर्म की महत्ता को भूलती पीढ़ी को शिक्षित करने के लिहाज से यह कदम उठाया है तो इसमें किसी को भी ऐतराज नहीं करना चाहिए। खासतौर से कांग्रेसी विधायक आरिफ मसूद को जो अपनी कट्टरपंथी छवि से बाहर निकलकर चुनाव लड़े और अपने धर्म के मानने वालों के साथ बड़ी संख्या में हिंदू समाज के वोट लेकर लगातार दूसरी बार कांग्रेस टिकट पर विधायक बने हैं। उनका ऐतराज उनकी बदली हुई नई छवि पर चोट करने वाला है। भविष्य में सर्व समावेशी नेता बने रहने के लिए उन्हें अपनी उदारमना नेता की छवि को कायम रखना होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सिर्फ स्कूल कालेजों में कृष्ण पर केंद्रित आयोजनों की बात ही नहीं की है। बल्कि लोगों से मंदिरों की साफ सफाई से लेकर कई स्थानों पर उनकी पूजा अर्चना की बात की है जिनका स्कूल कालेजों से कोई नाता नहीं है।

ऐसे आयोजनों का विरोध करने वाले लोगों को यह भी समझना होगा कि भारत को एक धर्म निरपेक्ष देश के तमगे से भले ही कुछ राजनेताओं ने नवाज दिया हो लेकिन बुनियादी रूप से यह धर्म सापेक्ष देश है यानि सभी धर्मो के प्रति समान भाव को कायम रखना। सभी धर्म और मजहब को अपने रिवाजों के मुताबिक आयोजन करने की धार्मिक आजादी। जबकि धर्म निरपेक्ष का मायना टटोला जाए तो इसका सीधा सा यही मतलब निकलता है कि किसी भी धर्म के प्रति कोई भाव सरकार का न हो। अब यह इस देश के लोगों को तय करना है कि वे कैसा भारत चाहते हैं? धर्म से परहेज रखने वाला निरपेक्ष देश सभी धर्मों को अपनाने वाला धर्म सापेक्ष देश?

सीएम ने इंदौर में कहा-धर्म,इतिहास व गीता की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचाएंगे

कृष्णरंग में सरकार,हर शहर में गीता भवन के निर्माण का ऐलान

इंदौर, दोपहर मेट्रो।

जन्माष्टमी के ठीक पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज ऐलान किया कि मप्र के सभी शहरों में गीता भवन का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए सरकार हर नगरीय निकाय को बजट जारी करेगी। इससे हमारे धर्म और इतिहास की जानकारी जन-जन तक पहुंचेगी। बच्चे हमारे गौरवमयी इतिहास को जानेंगे। आज सुबह इंदौर में तेज बारिश के बीच गीता भवन ट्रस्ट और संस्कृति विभाग के कृष्ण आधारित व्याख्यान कार्यक्रम में यादव ने यह बात कही। इससे पहले पंडाल के चारों ओर बने रैम्प पर चलकर उन्होंने पुष्प वर्षा की। उनकी गोद में कन्हैया बना एक बालक भी था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर में स्थापित गीता भवन दुनिया को गीता और धर्म की शिक्षा दे रहा है। कृष्ण जन्माष्टमी हर स्कूल में मनाने का उद्देश्य भी यही है। भगवान कृष्ण ने कंस सत्ता को समाप्तकर धर्म की स्थापना की। उसी तरह आज युवाओं को धर्म-स्थापना के कार्य में आगे आना चाहिए। इससे पहले गीता भवन पहुंचकर उन्होंने यहां स्थित मंदिर में राम और कृष्ण का पूजन किया। सीएम ने भगवान कृष्ण की प्रतिमा के सामने बांसुरी भेंट की। इस मौके पर गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष रामएरन, विजयदत्त श्रीधर और प्रभुदयाल मिश्र भी उपस्थित थे। कृष्ण जन्म महोत्सव के गीत पहले इंदौर के दशहरा मैदान में भी अनोखा आयोजन हुआ। इस आयोजन में हजारों की संख्या में कन्हैया बने बच्चे यशोदा बनी मां के साथ पहुंचे थे। भारी बारिश के बावजूद पंडाल में पैर रखने की जगह तक नहीं थी। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गोविंदा आला रे भजन की प्रस्तुति भी दी।

आरक्षण पर राहुल को मायावती ने घेरा

नई दिल्ली । आरक्षण और जातीय जनगणना पर राहुल गांधी के प्रयागराज में दिये बयान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस पार्टी को निशाने पर लिया है। एक्स पर लिखी पोस्ट में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इतने सालों तक सत्ता में रही तो उसने जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई? कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहब को सम्मान नहीं दिया। मायावती ने कांग्रेस से सवाल किया है कि कांग्रेस पार्टी इतने सालों तक सत्ता में रही तो उसने जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई, जबकि बीएसपी हमेशा से इसकी पक्षधर रही है। दरअसल राहुल ने 'संविधान का सम्मान और उसकी रक्षा' कार्यक्रम में कहा था कि 90 प्रतिशत लोग सिस्टम के बाहर बैठे हैं और उनकी भागीदारी के बिना देश नहीं चल सकता और इसके लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का बैरियर उखाड़ फेंकेंगे।

रेप-मर्डर केस

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल घोष पर सीबीआई का छापा

कोलकाता, एजेंसी।

महिला ट्रेनी डाक्टर के रेप-मर्डर केस की जांच कर रही सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और उसने जुड़े लोगों के 15 ठिकानों पर आज छापा मारा है। एंटी करप्शन ब्रांच रविवार सुबह घोष के घर पहुंची। 75 मिनट तक बाहर इंतजार करने के बाद वे अंदर गए। सीबीआई टीमें मेडिकल कॉलेज में फोरेंसिक मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. देबाशीष सोम, पूर्व सुपरिटेंडेंट संजय वशिष्ठ और हावड़ा के एक मेडिकल सप्लायर बिप्लब सिंह के घर भी पहुंची है। कॉलेज के पूर्व सुपरिटेंडेंट अख्तर अली ने कॉलेज में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए तीन दिन पहले शिकायत दर्ज कराई थी। घोष पर अपने कार्यकाल के दौरान मेडिकल कॉलेज में वित्तीय गड़बड़ी का आरोप है। बंगाल सरकार ने एसआईटी को मामले की जांच सौंपी थी। बाद में कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच करने को कहा है। दूसरी तरफ, ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय का आज पॉलीग्राफ टेस्ट हो रहा है। रॉय का कल पालीग्राफ टेस्ट टल गया था। वकीलों ने दावा किया कि पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए पूर्व प्रिंसिपल की मंजूरी लेना मुश्किल नहीं था। एक डॉक्टर होने के नाते, घोष को टेस्ट की प्रक्रिया के बारे में पता था।

मन की बात में मोदी ने *झाबुआ प्रयोग की सराहना* की

नई दिल्ली , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रेडियो कार्यक्रम मन की बात में मप्र का उल्ले किया और बुआ जिले में वेस्ट मटेरियल से क्रिएटिव सृजन की प्रशंसा की। मोदी ने कहा कि यह कार्य अन्य लोगों के लिए प्रेरक है। यह सफाई कामगारों द्वारा किया गया है। पार्क के सौंदर्यीकरण के इन कार्यों को देखने के लिए निकटवर्ती स्थान के नागरिक यहां बड़ी संख्या में आ रहे हैं। निश्चित ही यह सराहनीय है। मोदी ने कहा कि मप्र के झाबुआ में कुछ ऐसा शानदार हो रहा है जिसे आपको जरूर जानना चाहिए। इन भाई बहनों ने हमें वेस्ट टू बेस्ट का संदेश सच्चाई में बदलकर दिखाया है। इस टीम ने झाबुआ के पार्क में कचरे से अद्भुत आर्ट वर्क तैयार किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रधानमंत्री द्वारा झाबुआ के विशेष उल्लेख पर मोदी का आभार व्यक्त किया है।

चेतावनी देकर इजरायल ने हिजबुल्लाह के ठिकानों को तबाह किया

सुबह से जारी हैं हमले

नई दिल्ली , एजेंसी।

इजरायल की सेना आज लेबनान में ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले कर रही है और 100 से ज्यादा ठिकानों को निशना बनाय चुकी है। लेबनान के हवाई हमलों के जवाब में इजरायल द्वारा यह कदम उठाया गया है। खास बात यह है कि इजरायली सेना ने चेतावनी देने के बाद यह ताबडतोड हमले किये। इन हमलों के बीच इजरायली पीएम नेतन्याहू सुरक्षा कैबिनेट की बैठक बुला रहे हैं। खबरों के मुताबिक आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ व्यक्तिगत रूप से और सीधे हमलों की निगरानी कर रहे हैं। खुफिया जानकारी के आधार पर निर्देशित

वायु सेना के गश्ती दल हिजबुल्लाह के ठिकानों की चुन-चुनकर पहचान कर रहे हैं। सुबह से दर्जनों लड़ाकू विमानों दक्षिणी लेबनान में ताबड़तोड़ हमला जारी रखे हुए हैं। तेल अवीव के पास बेन गुरियन हवाई अड्डे पर अस्थायी रूप से परिचालन को सस्पेंड कर दिया गया है और उत्तरी इजरायल में रॉकेट सायरन बज रहे हैं। इजरायल की राष्ट्रीय आपातकालीन एवं एम्बुलेंस सेवा, एमडीए ने कहा है कि उसने देश भर में अलर्ट का स्तर बढ़ाकर 'गंभीर' कर दिया है इजरायल के अनुसार हिजबुल्लाह बड़े हमले की तैयारी में था लिहाजा अपने बचाव में लेबनान स्थित हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर हमला किया जा रहा है।

जन्माष्टमी : खुलेंगे स्कूल शिक्षक असमंजस में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में पहली बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कल 26 अगस्त को स्कूल खुलेंगे। विभाग ने कहा है कि जन्माष्टमी के दिन स्कूलों में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा और मित्रता के प्रसंगों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हालांकि इससे पहले सरकार ने जन्माष्टमी के दिन अवकाश घोषित किया था। बताया जाता है कि कुछ स्कूलों में ही विशेष कार्यक्रम होंगे और इसके बाद छुट्टी हो जाएगी, यानि नियमित क्लास आदि नहीं लगेंगी। इस पर शिक्षक संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने कहा है कि आमतौर पर जन्माष्टमी की छुट्टी होती है। इस बार हमारे सामने दो आदेश हैं।

मेट्रो एंकर

आज अतिभारी बारिश की चेतावनी,भोपाल में 40 इंच

बांधों के गेट खुले,रेल्वे ट्रेक की मिट्टी बही

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में जबर्दस्त बारिश ने भोपाल समेत कई स्थानों का कोटा पूरा कर दिया है। अब तक करीब 40 इंच बारिश हो गई है जो सामान्य से करीब चार फीसद ज्यादा है। भोपाल में रातभर में ही चार इंच बारिश हुई है। भदभदा डैम के दो और कलियासोत डैम के 13 में 4 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। मालवा-निमाड़ के 14 जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट है। रतलाम में तेज बारिश से मंगल मऊड़ी-लिमखेड़ा स्टेशन के बीच ट्रैक के नीचे की गिट्टी और मिट्टी बह गई। रातभर काम करके सुबह 5 बजे ट्रैक दुरुस्त किया गया। इस दौरान 10 पैसेंजर समेत 15 ट्रेन अलग-अलग स्टेशनों पर रोकनी पड़ीं। इधर, नर्मदापुरम में तवा डैम के पांच गेट खुले हैं। खंडवा के इंदिरा सागर डैम और ओंकारेश्वर डैम के गेट भी खोल दिए गए हैं। दरअसल, मानसून द्रोणिका मध्यप्रदेश से गुजर रही है। वहीं उत्तर प्रदेश एवं उससे लगे मध्य प्रदेश पर गहरा कम दबाव का क्षेत्र अब गहन होकर अबदाव में बदल गया है। बंगाल की खाड़ी में एक नया कम दबाव का क्षेत्र निर्मित हो रहा है। इन मौसम प्रणालियों के असर से मप्र में पर्याप्त नमी आ रही है और अधिकांश हिस्सों में झमाझम बारिश का सिलसिला बन गया है। आज पश्चिमी मप्र में अतिभारी बारिश की चेतावनी हैं। कल भी यही आलम रहेगा।

इन जिलों में बरसात भारी

रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक भोपाल में 112.4 मिमी (लगभग 4.5 इंच), टीकमगढ़ में 107.0 मिमी, रायसेन में 94.8, पचमढ़ी में 54.8, उज्जैन में 50 मिमी, उमरिया में 44.4, सागर में 43.6, छिंदवाड़ा में 43.2, ग्वालियर में 37.6, जबलपुर व सिवनी में 34.4, गुना में 34, बैतूल में 32.8, नर्मदापुरम में 32.3, इंदौर में 30.9, रतलाम में 24.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बाकी जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई। आज खरगौन, बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन व देवास जैसे जिलों में अति भारी बारिश की चेतावनी है। यहां 8 इंच तक बारिश हो सकती है। सीहोर, खंडवा, शाजापुर, आगर, मंदसौर, भोपाल, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, नीमच,जिलों में भी भारी बारिश होने का अनुमान है।

कई सड़कों व बस्तियों में पानी भरा

कल तक रहेगा भारी बारिश का दौर, जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

राजधानी में लगातार बरसात से पुराने जख्म फिर उभरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मानसून की वापसी ने फिर पुरानी समस्याओं को उभार दिया है। दो दिन से जारी वर्षा के कारण जगह -जगह जलभराव की स्थिति बन गई। वहीं कई क्षेत्रों में बिजली गुल होने से समस्या खड़ी हो गई। खासकर पुराने शहर में लोग ज्यादा परेशान हुए। कुछ इलाकों में सड़कों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया। लोगों के घरों में भी पानी घुसा। शहर के अयोध्यानग, छोला, करोंद, टीलाजमालपुरा, नारीयलखेड़ा, भानपुर सहित अनेक क्षेत्रों में जलभराव से लोग परेशान हैं। 25 से अधिक क्षेत्रों में बिजली भी करीब तीन से चार घंटे तक गायब रही।

बीती रात भी रुक-रुककर बारिश होती रही। इससे रविवार की सुबह भी लोग परेशान रहे। अयोध्यानगर में कल एक मंदिर पर आकाशीय बिजली गिर गई। इससे मंदिर का शिखर क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

बांध लबालब, डैम के गेट खुले

हालांकि तेज वर्षा से भोपाल के जलाशय लबालब हैं। बड़े तालाब का जलस्तर बढ़ने के बाद भदभदा के दो गेट खोले गए। कलियासोत के भी दो गेट खोले गए, जिन्हें शनिवार दोपहर तक बंद कर दिया गया था। इस दौरान

मंडीदीप क्षेत्र में स्थित निचली बस्तियों में अलर्ट भी जारी कर दिया गया था। पिछले दो दिन से हो रही तेज वर्षा के कारण बड़ा तालाब का जलस्तर 1666.80 फीट होते ही भदभदा डैम के दो गेट खोले गए थे। इनमें से एक गेट सुबह पांच बजे और दूसरा गेट दोपहर डेढ़ बजे बंद कर दिया गया था। इस दौरान कुल 300 मिलियन क्यूबिक फीट पानी छोड़ा गया। कलियासोत डैम के दो गेट शनिवार सुबह खोले गए इससे पहले निचले क्षेत्र दामखेड़ा, समरधा टोला के रहवासियों को अलर्ट किया गया ।

मंदिर का शिखर बिजली गिरने से टूटा

अयोध्या नगर के मयूरी परिसर स्थित राम मंदिर में शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे तेज वर्षा के दौरान बिजली गिर गई। बिजली गिरने से मंदिर के शिखर का एक हिस्सा टूटकर गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान अंदर कोई मौजूद नहीं था। इस वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया।

वंदेभारत व शान ए भोपाल ट्रेनें कुछ दिन रहेंगी निरस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के प्रयासों के बीच भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों की कनेक्टिविटी कुछ दिन बाधित रहेगी। उत्तर रेलवे के पलवल रेलवे स्टेशन पर प्री-नॉन और नान-इंटरलाकिंग कार्य किया जा रहा है। यह कार्य दिल्ली रेल मंडल के पलवल और न्यू पृथला यार्ड के बीच रेल कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए किया जा रहा है। इसके कारण भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली चार ट्रेनें अलग-अलग तारीखों में निरस्त रहेंगी। इसमें रानी कमलापति से निजामुद्दीन तक जाने वाली शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस छह से 15 सितंबर तक और वंदे भारत भारत

एक्सप्रेस 17 सितंबर को निरस्त रहेगी। साथ ही निजामुद्दीन-जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी।

निरस्त की गई ट्रेनें

- ट्रेन 12155-56 रानी कमलापति-निजामुद्दीन भोपाल एक्सप्रेस प्रारंभिक स्टेशन से दोनों दिशाओं में 6 से 15 सितंबर तक निरस्त रहेगी।
- ट्रेन 20171-72 रानी कमलापति-निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस प्रारंभिक स्टेशन से दोनों दिशाओं में 17 सितंबर को निरस्त रहेगी।

शॉर्ट टर्मिनेट ट्रेन

- ट्रेन 12192 जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 5 से 16 सितंबर तक आगरा कैंट स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट रहेगी। ट्रेन 12191 निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 6 से 17 सितंबर तक आगरा कैंट स्टेशन से प्रारंभ होगी।

इस ट्रेन का मार्ग रहेगा परिवर्तित

- ट्रेन 12191 निजामुद्दीन-जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 29, 30, 31 अगस्त, 01, 02, 03, 04, 05 सितंबर को परिवर्तित मार्ग वाया गाजियाबाद-मथुरा-आगरा कैंट होकर गंतव्य को जाएगी।

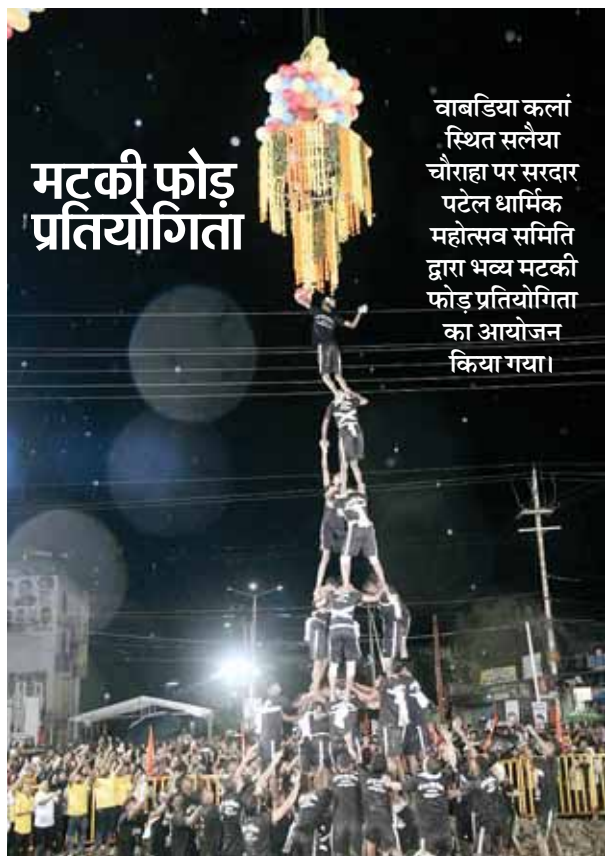

वाबडिया कलां स्थित सलैया चौराहा पर सरदार पटेल धार्मिक महोत्सव समिति द्वारा भव्य मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कोलकाता कांड के सबक

एम्स में महिला डॉक्टर्स की सुरक्षा व सुविधा के बंदोबस्त की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के एक बडे हिस्से की चिकित्सा जरूरतें पूरी कर रहा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अब डाक्टर्स व अन्य स्टाफ की सुरक्षा जरूरतों को लेकर भी मरीजों आगंतुकों के लिये नया खाका बना रहा है। अब बिना अनुमति कोई भी बाहरी व्यक्ति महिला डॉक्टरों के ड्यूटी रूम में नहीं जा सकेगा। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले के बाद एम्स प्रबंधन ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए इस तरह की व्यवस्था बनाई है। ज्ञात हो कि भोपाल के हमीदिया अस्पताल में भी डाक्टर्स की सुविधा के लिये कार्ड की व्यवस्था लागू की गई है। बताया जाता है कि एम्स में डॉक्टरों के रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) कार्ड बनाए जाएंगे। इसमें संबंधित डॉक्टर का थंब या फेस कार्ड जनरेट किया जाएगा, जिसकी मदद से डॉक्टर अपने ड्यूटी रूम को खोल सकेगा। अगर कोई व्यक्ति डॉक्टर के ड्यूटी रूम में आना भी चाहता है तो इसके लिए डॉक्टर की आरएफआईडी की आवश्यकता पड़ेगी। एम्स में करीब दो सौ डाक्टर्स हैं। सुरक्षा के इस उपाय के अलावा अब एम्स प्रबंधन कैमरों की संख्या भी बढ़ाने के साथ अन्य सुविधाएं भी शुरू कर रहा है। एम्स परिसर में ऐसे क्षेत्रों को भी चिह्नित किया जा रहा है जो संवेदनशील हैं , यहां अलार्म लगाए जाने हैं। यह तेज आवाज और सेंसर आधारित होगा, इसके अलावा परिसर के अंदर और बाहर अंधेरी जगह पर पर्याप्त रोशनी की भी रहेगी। इसी तरह परिसर व भीतर की सुरक्षा पुख्ता करने एम्स प्रबंधन महिला गार्डों की तैनाती करेगा। अभी एम्स में गिनी-चुनी महिला गार्ड हैं, इसलिए इसके लिए उनकी संख्या भी बढ़ाई जाएगी। यह गार्ड सुरक्षा के लिहाज से भर्ती होने वाली महिला मरीजों की बारीकी से जांच करेंगी। जिसमें वह देखेंगी कि उक्त मरीज ने किसी प्रकार का हथियार जैसी चीज तो साथ में नहीं रखी है। उल्लेखनीय है कि कोलकाता में हुई घटना के बाद पूरे देशभर के डॉक्टर पीड़ित को न्याय दिलाने और सुरक्षा की मांगों को लेकर हड़ताल पर रहे थे। मप्र के जूनियर डॉक्टरों ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद अपनी हड़ताल वापस ले ली है, लेकिन एम्स के रेजिडेंट डाक्टर अपनी मांगों को लेकर अडिग हैं।

सिंधी समाज ने कल्याण के लिए लगाई अरदास

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भगवान झूलेलाल चालीहा का समापन परंपरागत तरीके से परंपरागत कार्यक्रमों के साथ हुआ। सिंधी समाज ने पल्लव कर सभी की खुशहाली की कामना की। समापन कार्यक्रमों की शुरूआत बहिराणा साहिब की जोत प्रज्वलन के साथ शुरू हुई और विसर्जन के साथ समापन। सिंधी समाज सभी के कल्याण के लिए अरदास लगाई।

झूलेलाल चालीहा मंदिर समिति ने सिंधु समाज भवन में समापन समारोह आयोजित किया गया। सुबह मंदिर धार्मिक आयोजन हुए। समापन समारोह में समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, शिक्षाविद विष्णु गेहानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बसंल, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारण, घनश्याम लालवानी, माधु चांदवानी व अन्य विशिष्ठ जन मौजूद रहे। अतिथियों ने कहा चालीहा सिंधी की परंपरा है, कठोर व्रत साधना कर दुनिया में सुख शांति की कामना झूलेलालजी से की जाती है। समिति ने शाम को मंदिर परिसर बहिराणा साहिब की शोभा यात्रा निकाली एवं जलाशय पर जोत का विसर्जन किया गया।

भव्य शोभा यात्रा निकली

नेहरू पार्क स्थित मंदिर में वेदांत संत लाल साईं, मंदिर समिति के अध्यक्ष राजकुमार वाधवानी, राम कुमार पारदासानी आदि ने पूजा-अर्चना में भाग लिया। यहां साईजी ने भजनों पर श्रद्धालुओं के साथ नाचते गाते हुए अवसर को उत्सवी बनाया। लालसाईजी ने बहिराणा एवं पर्व की साधना को लेकर श्रद्धालुओं को बताया। शाम का जोत विसर्जन के लिए भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या सिंधी समाज के लोग शामिल हुए और विसर्जन घाट पर जोत का विसर्जन किया। लगातार 40 दिन तक उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं का सम्मान किया गया।

जन्माष्टमी:बच्चों ने कृष्ण-राधा का स्वरूप में दी प्रस्तुतियां

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण, संतजी, भारत माता एवं सरस्वती जी की मूर्ति पर मार्ल्यापण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया।

शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा श्रीकृष्ण का जन्म कर्म पर आधारित था। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि कर्म करें परंतु फल की इच्छा न करें, क्योंकि कर्म का फल हमें किसी न किसी रुप में अवश्य मिलता है, श्रीकृष्ण और श्रीराम में यही विशेषता थी कि वे कभी नहीं कहते थे कि हम भगवान है, सरल स्वाभव के श्रीराम ने नारी रक्षा की तो श्रीकृष्ण ने धर्म की रक्षा की और अधर्म

का नाश किया।

कार्यक्रम में कपड़ा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वासदेव वाधवानी, संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि जब-जब अधर्म ब?ता है, तब कोई न कोई अवतार अवश्य जन्म लेता है, यहां भी ईश्वर के अवतार की जरुरत है और हमें विश्वास है कि उनके विनाश के लिए भी कोई न कोई अवतार अवश्य अवतरित होगा।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष राम बसंल, सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी और पार्षद राजेश हिंगोरानी ने कहा कि श्री कृष्ण का पूरा जीवन कर्म पर आधारित है।

हैप्पी ग्रुप के दिनेश वाधवानी व भरत धनवानी ने जन्माष्टमी की बधाइयां दी। विद्यालय की शिक्षिका साक्षी टिलवानी ने गीत अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम प्रस्तुत किया।

नवनिध स्कूल : विशेष प्रार्थना सभा में जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। छात्राओं ने राधा-कृष्ण का रूप धरकर नृत्य प्रस्तुत किया। वाद्य यंत्रों के साथ कीर्तन प्रस्तुत किया। संगीत शिक्षक जगदीश विश्वकर्मा ने भगवान कृष्ण के जीवन से मिलने वाले संदेशों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। प्राचार्य अमृता मोटवानी ने कर्म ही पूजा है श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी सीख है। विद्यालय में श्री कृष्ण की झांकी सजाई गई।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल : नंद घर आनंद भयो-जय कन्हैया लाल की से गुंजायमान हुआ विद्यालय का प्रांगण। जूनियर विद्यार्थियों ने कृष्ण-लीला के अनेक प्रसंगों का मंचन किया। विद्यार्थी भव्य राजपाल ने श्रीकृष्ण का रूप धारण कर संस्कृत में अपना परिचय सुनाया। विद्यार्थियों द्वारा मधुराष्टक की भी प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी, प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, विद्यालय के समस्त कोर्डिनेटर्स, शिक्षक परिवार समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एसएएस के अध्यक्ष चुने गए कुशवाहा, पवार सचिव बने

हिरदाराम नगर। राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के शिक्षक एवं अधिकारी संघ के चुनाव संपन्न हुए। नाव की संपूर्ण प्रक्रिया में एकल नामांकन होने के कारण संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित कुल 11 पदाधिकारियों को निर्विरोध चुना गया।

सर्वसम्मति से प्रो. एस एस कुशवाहा को संघ का अध्यक्ष, प्रो. दीप्ति जैन को उपाध्यक्ष, डॉ. महेश पवार को सचिव, डॉ. मनोज पांडेय को कोषाध्यक्ष तथा डॉ. कौस्तुभ द्विवेदी को सह सचिव चुना गया। साथ ही, डॉ. अंजना पांडेय, डॉ. पियूष शुक्ला, डॉ, निश्चल मिश्रा, डॉ. अविनाश राय, डॉ. राजीव पांडेय एवं श्री राजकमल जैसवार कार्यपरिषद सदस्य के तौर पर चुने गए।

चुनाव प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी प्रो. अनिल गोयल के निर्देशन में संपन्न हुई। इस अवसर पर संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रो. एस. एस. कुशवाहा ने कहा कि संघ सदैव विश्वविद्यालय एवं छात्र हित में कार्य करता रहेगा।

चीता स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में चीतों को खुले जंगल में छोड़ने पर हुआ विचार

चीता पवन को बारिश बाद जंगल में मिल सकते हैं अपने दूसरे साथी

बारिश के बाद खुले जंगल में छोड़े जा सकते हैं चीते

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पालपुर के अंदर एंक्लोजर में रखे जा रहे हैं वयस्क चीतों को जल्द ही खुला जंगल मिल सकता है। इस पर स्टीयरिंग कमेटी के विशेषज्ञ एक राय है और जल्द ही आदेश होने हैं। इसके बाद कूनो के खुले जंगल में घूम रहे नर चीता पवन को अपने दूसरे वयस्क चीतों का साथ मिल जाएगा। असल में चीता स्टीयरिंग कमेटी की एक बैठक गुरुवार को हुई थी जिसमें कूनो के चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से लेकर गांधी सागर अभ्यारण में चीतों की प्रस्तावित शिफ्टिंग से जुड़ी तैयारी पर बातचीत हुई है। यह बैठक वर्चुअली थी, जिसमें मप्र से प्रभारी वन्यप्राणी अभिरक्षक वीएन अंबाड़े और सिंह परियोजना के प्रमुख उत्तम कुमार शर्मा शामिल रहे।

चीता शावक कैसे घायल हुए, इस पर भी हुई चर्चा

बीते 8 महीने में दो चीता शावक कूनो में बुरी तरह घायल हुए। इनमें से एक की मौत हो गई। यह मौत उक्त शावक की रीड की हड्डी टूटने के कारण हुई, जबकि पूर्व में एक शावक के सामने वाले एक पैर की हड्डी टूट गई थी जो किसी तरह जुड़ी। सूत्रों के मुताबिक कमेटी के सामने यह दोनों विषय आए, जिस पर चर्चा की गई। सूत्रों के मुताबिक विशेषज्ञों ने पूछा की उच्च स्तरीय सुरक्षा और निगरानी के बावजूद इन घटनाओं को क्यों नहीं रोका गया और इसके लिए जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई की गई।

सागर अभ्यारण में कोई काम बाकी तो नहीं ?

बारिश के बाद मंदसौर के गांधी सागर अभ्यारण में चितों की शिफ्टिंग प्रस्तावित है। ये चीते दक्षिण अफ्रीका से ले जाने हैं चीतों के लिए अभ्यारण को तैयार किया गया है। यहां घास के मैदान विकसित किए हैं मांसाहारी वन्यजीव तेंदुए को चीतों की प्रस्तावित रेंज से अलग शिफ्ट किया है। विशेषज्ञों ने कहा कि गांधी सागर अभ्यारण में जो तैयारी अधूरी है या जिनमें सुधार की जरूरत है उन्हे पूरा किया जाए।

छतरपुर में बुल्डोजर से घर गिराने का मामला

खरगे-प्रियंका के बयान के बाद भाजपा ने दिलाई बंगाल की याद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा छतरपुर में पथराव के आरोपी के घर को बुल्डोजर से गिराने की कार्रवाई की निंदा के बाद भाजपा भी पलटवार कर रही है। खरगे ने कहा है कि भाजपाशासित राज्यों में खास वर्ग को निशाना बनाया जा रहा है तो वहीं प्रियंका ने भी बुल्डोजर न्याय बंद करने की मांग की है। वहीं भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिन्दू बेटी के साथ जघन्य बलात्कार और हत्याकांड होता है और उस पर प्रियंका गांधी सेलेक्टिव मौन रखती हैं। इंडी गठबंधन की विभिन्न राज्य सरकारों में हर वर्ग और हर समाज के साथ अत्याचार होता है, तब भी प्रियंका गांधी का सेलेक्टिव मौन नहीं टूटता। शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में सिर्फ कानून का राज चलता है। मध्यप्रदेश में तुष्टिकरण नहीं संतुष्टिकरण होता है। अपराधी का रंग देख कार्यवाही नहीं की जाती है।

आधुनिक संसाधनों और तकनीक का उपयोग कर सुशासन लाएंगे: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों सहित सभी वर्गों के उत्थान और विकास कार्य जारी हैं। युवाओं के कौशल विकास के लिए राज्य सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, उद्योगों में महिलाओं को रोजगार देने के लिए अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। गरीबों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में प्रश्नों के उत्तर दे रहे थे।

मुख्यमंत्री ने क्रिस्प की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

नए उद्योगों के लिए नए कोर्स डिजाइन करेगा क्रिस्प, सीएम ने दी जिम्मेदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में दूसरे राज्यों के उद्योगपतियों को उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इन उद्योगों की अपनी जरूरत है उसे हिसाब से मध्य प्रदेश में प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है जिसे पूरा करने की जिम्मेदारी सरकार ने सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉरमेंस (क्रिस्प) संस्था को दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने क्रिस्प की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए हैं कि नए कोर्स डिजाइन करें, इन बातों का ध्यान रखें कि नय उद्योगों के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की पूर्ति कर सके और युवाओं को रोजगार से जोड़ सके। बैठक में उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री चेतन्य काश्यप, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, कौशल विकास और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल उपस्थित रहे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान बैठक से वर्चुअल जुड़े। असल में असल में सरकार प्रदेश में नए उद्योग लाने के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रही है। उद्योगपतियों को सुन रही है, उनकी समस्याओं का तत्काल निदान कर रही है। जिलों में उद्योगपतियों की मदद के लिए खोले गए नए केंद्र इसका उदाहरण है। मुंबई, बेंगलुरु समेत इंडस्ट्री कान्क्लेव में कुछ उद्योगपतियों ने मप्र में दक्ष मानव संसाधन के क्षेत्र में आने वाले कठिनाईयों को सामने रखा था, जिसे दूर करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। क्रिस्प जो कोर्सस डिजाइन करेगी वे युवाओं को रोजगार दिलाने में मदद करने वाले होंगे। मुख्यमंत्री ने इस बात का ध्यान रखने के लिए कहा है। उन्होंने फार्मास्युटिकल, मोबाइल रिपेयरिंग सहित अनेक क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जरुरत भी बताई। मुख्यमंत्री के सामने बैठक में अधिकारियों ने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के कामों की प्रगति की जानकारी प्रेजेंटेशन द्वारा दी। प्रजेंटेशन में बताया गया कि सिविल निर्माण कार्य शत-प्रतिशत से अधिक हो चुके हैं। आवश्यक नियुक्तियां एवं शिक्षकों के प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूर्ण की गई है। इंस्टालेशन कार्य पूर्ण हो गए हैं। मशीनों से संबंधित प्रशिक्षण प्रक्रियाधीन है।

जन्माष्टमी मनाने का कुछ संस्कृति विरोधी कर रहे विरोध

रक्षाबंधन उत्सव में कहा कि यह त्यौहार बहनों के प्रति सम्मान भाव व्यक्त करने का अवसर है, जो जन्माष्टमी पर्व तक निरंतर चलता है लेकिन जन्माष्टमी पर्व मनाने का कुछ संस्कृति विरोधी लोग विरोध कर रहे हैं। तब भी सरकार अपने पथ पर बढ़ती जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बहनों के सशक्तिकरण के लिए प्रत्येक स्तर पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण का राष्ट्रव्यापी अभियान चल रहा है। प्रदेश में भी नारी कल्याण की अनेक योजनाएं संचालित हैं। समाज के साथ ही सरकार के स्तर पर विभिन्न स्थानों पर रक्षाबंधन उत्सव के सामुहिक आयोजन बहनों के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे हैं। आने वाले समय में स्थानीय निकायों के साथ ही लोकसभा और राज्य सभा में भी बहनों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने बहनों से राखी बंधवाई और उपहार भी दिए।

उद्योगों में भी देंगे बहनों को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर रहे हैं। इनका उद्देश्य उद्योगों के माध्यम से भाई-बहनों को रोजागर उपलब्ध करवाना है। जबलपुर में पिछले महीने इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हुई थी। आगामी 28 अगस्त को ग्वालियर में कान्क्लेव हो रही है। इसके बाद सागर और रीवा में भी ऐसी ही होने वाली हैं। टेक्सटाइल सहित कई तरह के उद्योगों में बहनों की सहभागिता को बढ़ाया जाएगा। बहनों के लिए रोजगार की दृष्टि से नई औद्योगिक इकाइयां उपयोगी होंगी, इनमें बहनों को प्राथमिकता दी जाएगी।

स्कूलों में मनाई जाएगी जन्माष्टमी धूमधूम से होंगे कई कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में इस बार जन्माष्टमी का पर्व धूम-धाम से मनाया जाएगा। स्कूलों में जन्माष्टमी मनाये जाने के लिए प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए। कार्यक्रम को लेकर लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूलों में छुट्टी नहीं रहेगी, बल्कि त्योहार को समारोह पूर्वक धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए स्कूलों में निर्देशित किया गया है कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा एवं मित्रता के प्रसंग और जीवन दर्शन पर आधारित विभिन्न विषयों पर विद्वानों के माध्यम से सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों में व्याख्यान सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। साथ ही जन्माष्टमी के अवसर पर सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों में भारतीय विशिष्ट परंपराओं व योग आदि पर व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। सभी स्कूलों में जन्माष्टमी पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हालांकि कार्यक्रम के बाद बच्चे घर जा सकेंगे, उनकी कक्षाएं नहीं लगाई जाएंगी।

पढ़ाने के साथ मतदाता सूची सुधारेंगे टीचर, बीएलओ के रूप में करेंगे ड्यूटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शिक्षकों की कमी के चलते एक ओर जहां अतिथि शिक्षकों की भर्ती की जा रही तो वहीं दूसरी ओर स्कूलों के कई स्थाई शिक्षकों को बीएलओ बना दिया गया। ये मतदाता सूची में सुधार का काम देखेंगे। इसके लिए इन्हें घर-घर जाना है। शिक्षक संगठनों ने इसका विरोध जताया है। उनका कहना है इससे स्कूलों में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी। यह स्थिति उस समय है जब शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में न लगाने के लिए कई बार निर्देश जारी हो चुके है। लेकिन पालन नहीं किया जा रहा है। इसका असर बच्चों की पढ़ाई पर हो रहा है। शिक्षकों को बीएलओ बनाने के लिए हाल में ही प्रशासन से एक आदेश जारी हुआ है। इसके तहत 18 अक्टूबर तक शिक्षकों को लोगों के घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करना है। इस बीच पोलिंग बूथ पर भी बैठना होगा। नाम पतों में करेक्शन के लिए काम होगा।

शिक्षकों को रखा जाए मुक्त

मप्र अध्यापक संगठन के अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखा जाए। बीएलओ ड्यूटी के कारण स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी। यह कुछ महीने परीक्षा तैयारी के लिए खास होते हैं। वहीं दूसरी ओर जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने बताया कि जिन शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ में लगाई गई है। उन सभी की जानकारी नहीं मिली हैं। व्यवस्था कराई जाएगी।

मेट्रो एंकर | **एमसीयू में संस्कृति और मीडिया की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी**

भारतीय संस्कृति हमारे जीवन दर्शन एवं हमारी विरासत में है: कुलगुरु प्रो. सुरेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संस्कृति हमारे आचार-विचार वेशभूषा में है, हमारे मूल्यों में है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति तो हमारे जीवन दर्शन एवं हमारी विरासत में है। संस्कृति का अंतिम सत्य समाज एवं राष्ट्र होना चाहिए। यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो.(डॉ) के.जी. सुरेश ने कही। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय व मीडिया एंड सोशल मीडिया रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृति और मीडिया की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन माखन पुरम स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.(डॉ) के.जी. सुरेश ने की। जबकि संगोष्ठी के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त उदय माहुरकर, मुख्य वक्ता मप्र साहित्य अकादमी के निदेशक विकास दवे, विशिष्ट अतिथि भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा थे। मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक विकास दवे ने कहा कि भारत का इतिहास गौरवशाली इतिहास रहा है। संस्कृति को पांचवा तत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि संस्कृति से राष्ट्र का निर्माण होता है।

विकृत कंटेंट समाज एवं संस्कृति के लिए बड़ा खतरा: उदय माहुरकर

मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त उदय माहुरकर ने ओटीटी प्लेटफार्म पर विकृत कंटेंट को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए इसे समाज एवं संस्कृति के लिए बड़ा खतरा बताया। उन्होंने विकृत सामग्री के लिए कठोर कानून बनाए जाने की मांग की। माहुरकर ने पोर्नोग्राफी को बहुत खतरनाक बताया एवं साथ ही कहा कि दुष्कर्म के पीछे का मुख्य कारण विकृत कंटेंट होता है। विशिष्ट अतिथि भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि मीडिया का उद्देश्य सनसनीखेज खबर छापने की जगह सकारात्मक खबरें छापना होना चाहिए। मीडिया का समाज पर बहुत असर प?ने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति के इस युग में सूचनाओं का विस्फोट हो रहा है, जो कि चिंता का विषय है। मीडिया एवं तकनीक के दखल से जीवन प्रभावित होने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि जितना परिवर्तन 100 सालों में नहीं हुआ, उतना पिछले एक दशक में हो गया है।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 25 अगस्त, 2024 epaper.dopaharmetro.com

धैर्य और लगातार कोशिशों से लिखें जीत की इबारत

■ मोनिका शर्मा

जीवन, उम्र के हर मोड़ पर उतार-चढ़ाव लिए होता है। ऐसे में मन का ठहराव अच्छी और बुरी दोनों ही परिस्थितियों में काम आता है। यह संयम आमतौर पर आस्था के भाव से बल पाता है। खासकर असफलता के दौर में आस्था धैर्य की सौगात देती है। धीरता का गुण जीवन के हर लक्ष्य को साधना आसान बना देता है। ईश्वरीय शक्ति से जुड़ाव और विश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को पाने के मार्ग पर बिना रुके-थके आगे बढ़ते रहना बहुत व्यावहारिक सा भाव है। असल में यह इंसान के मनोविज्ञान को बल देने वाली बात है। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाली भारत की डबल मेडल विजेता निशानेबाज, मनु भाकर ने जीत के बाद भगवत गीता की चर्चा की। मनु भाकर ने कहा- 'मैंने बहुत सारी गीता पढ़ी।

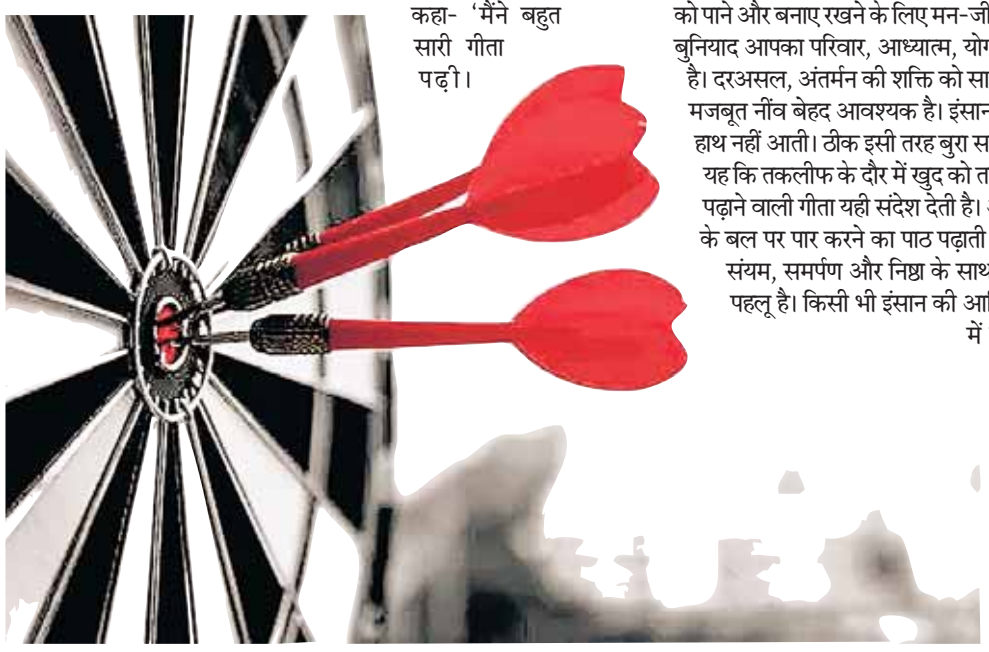

मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि बस वही करो जो तुम्हें करना है। आप अपने भाग्य के परिणाम को नियंत्रित नहीं कर सकते।'

जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। हर बार, हर काम में सफलता ही मिले यह जरूरी नहीं है। असफलता एवं परिस्थितियों से जूझने के हालात भी बनते रहते हैं। जरूरी है तो यह कि अन्तर्मन की शक्ति बनी रहे। आशाओं के प्रकाश से भविष्य की राह रोशन रहे। ध्यान रहे कि पिछले ओलंपिक से पेरिस तक पहुंचने का मनु भाकर का सफर मनोबल तोड़ने वाला रहा है। बहुत सी मुश्किलें उनके हिस्से आईं। टोक्यो ओलंपिक में मनु की पिस्टल में खराबी आने से पदक पाने से चूक गई थीं। जिसके चलते वे लंबे समय तक अवसाद के दौर से गुजरीं। इन परिस्थितियों में मनु ने गीता पढ़ी। कर्मशील रहने की सीख देने वाली गीता पढ़कर अपने मन को सही दिशा दी। योग से तनाव को हराया और मन को अपने लक्ष्य पर केंद्रित करने में सफलता पाई। पेरिस में पदक जीतने के बाद मनु ने कहा कि 'मेरे दिमाग में गीता के श्लोक चल रहे थे। मैंने कर्म पर फोकस किया, फल की चिंता नहीं की। इसीलिए मेरे दिमाग में चल रहा था कि वह करो जो आप कर सकते हो और मैंने वही किया।' यह सचमुच जीवन में उतारने योग्य बात है। कर्मशील रहने वाले लोग कामयाबी तो पाते ही हैं, इस राह में आने वाले उतार-चढ़ावों को झेलने की शक्ति भी जुटा लेते हैं। यही कारण है कि देश की युवा खिलाड़ी की सफल होने की प्रतिबद्धता और सोच की सकारात्मक दिशा, दोनों ही युवाओं के लिए प्रेरणादायी हैं।

मन के जीते जीत

युवाओं को यह समझना होगा कि मन की शक्ति से बढ़कर कुछ नहीं। इस बल को पाने और बनाए रखने के लिए मन-जीवन का एक सकारात्मक आधार चुनें। यह बुनियाद आपका परिवार, आध्यात्म, योग या आशावादी सोच, कुछ भी हो सकता है। दरअसल, अंतर्मन की शक्ति को साधने के लिए अपने भीतर विश्वास की एक मजबूत नींव बेहद आवश्यक है। इंसान किसी क्षेत्र से जुड़ा हो, हर बार सफलता हाथ नहीं आती। ठीक इसी तरह बुरा समय भी हमेशा नहीं रहता। आवश्यक है तो यह कि तकलीफ के दौर में खुद को तराशने का काम जारी रहे। कर्मठता का पाठ पढ़ाने वाली गीता यही संदेश देती है। अपने दुःखों और संघर्षों को मन की शक्ति के बल पर पार करने का पाठ पढ़ाती है। जो कि दुःख और टूटन के दौर में भी संयम, समर्पण और निष्ठा के साथ अपना कर्म करते रहने के भाव से जुड़ा पहलू है। किसी भी इंसान की आत्मिक उन्नति का सबसे सुंदर पक्ष है। गीता में कहा भी गया है कि 'जीवन के हर एक कदम पर हमारी सोच, हमारा व्यवहार और हमारा कर्म ही हमारा भाग्य लिखते हैं।' ऐसे में नाकामयाबी के समय भी ठहराव में गुम होने या खुद को खो देने के बजाय गतिशील रहने का भाव ही एक दिन विजेता बनाता है7

अवसाद नहीं, आशाएं चुनें

असफलता के दौर में बहुत से युवा जीवन से ही हार मान लेते हैं। कितने ही लोग अवसाद के घेरे में आ जाते हैं। यही वजह है कि सधी जीवनशैली और सार्थक प्रयास कामयाबी ही नहीं नाकामयाबी के दौर में भी जारी रखने की दरकार होती है। खुद को निखारते-संवारते रहने की कोशिशें जीवन से जोड़ने वाली साबित होती हैं। भगवद्गीता में भी अनुशासन और स्व-नियंत्रण के महत्व को बहुत सहज ढंग से समझाया गया है। जीवन के कई मोर्चों पर संयम, संतुलन और प्रबंधन की शिक्षा भी शामिल है। युवाओं को संयमित जीवनशैली अपनाने व सकारात्मक बने रहने की दरकार है। गीता में कहा गया है कि 'आप वापस नहीं जा सकते हैं और न ही शुरुआत को बदल सकते हैं लेकिन जहां हैं, वहीं से शुरू कर सकते हैं और अंत को बदल सकते हैं।' देश, समाज का भविष्य कहे जाने वाले युवाओं के जीवन में तो ऐसी उम्मीद भरी बातों की बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका है। यही भाव सकारात्मक ऊर्जा से मन को सही मार्ग पर रखते हुए आगे ले जाने वाले हैं।

कृष्ण के मंदिर... जहां कभी जेल हुआ करती थी

■ सपना सिंह

भगवान कृष्ण के जन्म का जश्न मनाने का त्योहार हर साल कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है। यह दिन पूरे देश में कृष्ण के भक्तों द्वारा मनाया जाता है, जिससे यह रंगों, मिठाइयों, फूलों और दही हांडी जैसी परंपराओं के साथ सबसे रंगीन त्योहारों में से एक बन जाता है। जन्माष्टमी पर देश भर के कृष्ण मंदिरों में आधी रात को भगवान कृष्ण के जन्म पर भव्य उत्सव मनाया जाता है। आज हम आपको भारत के कुछ पवित्र कृष्ण मंदिरों के बारे में बताने जा हे हैं, जिनकी काफी मान्यताएं हैं। जिनमें से एक मंदिर उसी स्थान पर बना है जो कभी जेल हुआ करता था और वहीं पर ही भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। जन्माष्टमी के दिन यहां भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है और मंदिर का हर कोना फूलों से सजाया जाता है। श्रीबांके बिहारी मंदिर वृन्दावन के भगवान कृष्ण के प्रमुख मंदिरों में से एक है। इसका निर्माण 1863 में गोस्वामियों द्वारा किया गया था और मूर्ति को निधिवन से लाया गया था। वृंदावन के श्रीबांके बिहारी मंदिर में साल में सिर्फ एक बार मंगला आरती होती है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन होने वाली मंगला आरती के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

जगन्नाथ मंदिर-सिद्ध चारधाम यात्रा के धामों में से एक, जगन्नाथ मंदिर, भारत का प्रसिद्ध भगवान कृष्ण का मंदिर है। यह हिंदुओं और बौद्धों के लिए पवित्र मंदिर है और मंदिर के मुख्य गर्भगृह में, लकड़ी की बारीक नक्काशीदार जगन्नाथ की मूर्ति है। पुरी रथ यात्रा के अवसर पर, तीनों देवताओं (कृष्ण, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा) को उनके रथों में भक्तों द्वारा खींचा जाता है और गुंडिचा मंदिर ले जाया जाता है। बता दें, जन्माष्टमी के दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को औपचारिक स्नान कराया जाता है और उन्हें कृष्ण के बाल रूप में तैयार किया जाता है। द्वारकाधीश मंदिर, गुजरात- द्वारकाधीश मंदिर भारत में भगवान कृष्ण को समर्पित सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की काफी मान्यता है। कहते हैं, जो भक्त यहां पर सच्चे दिल से प्रार्थना करते हैं, उनकी हर इच्छा भगवान कृष्ण पूरी करते हैं। इस मंदिर में दर्शन करने के बाद आपकी आत्मा को काफी शांति मिलेगी। बता दें, जन्माष्टमी के दिन पूरे मंदिर को सुगंधित फूलों से सजाया जाता है। इस दिन मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ता है। भगवान कृष्ण की प्रतिमाओं को एंटीक और कीमती गहनों से सजाया जाता है। रात 11.30 बजे भगवान कृष्ण को उत्सव भोग लगाया जाता है।

कृष्ण जन्मभूमि मंदिर, मथुरा

कृष्ण जन्मभूमि मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर किया गया है, जहां कभी जेल हुआ करता था, वहीं पर भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में भगवान कृष्ण की संगमरमर की मूर्ति के साथ-साथ कृष्ण की छोटी मूर्तियां भी हैं। मुख्य गर्भगृह के पीछे एक छोटा कमरा है जो उस जेल का प्रतिनिधित्व करता है जहां कृष्ण का जन्म हुआ था।

इस्कॉन, वृन्दावन

वृन्दावन इस्कॉन जिसे मथुरा कृष्ण बलराम मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, भव्य है। इस्कॉन मंदिर 1975 में बनाया गया था और मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक पहुंचने के लिए, भक्तों को जटिल नक्काशीदार दीवारों और गुंबदों के माध्यम से जाना होगा। जन्माष्टमी के दिन इस मंदिर में रौनक अलग होती है। यहां पर कृष्ण का जन्मोत्सव काफी धूमधाम से मनाया जाता है। पूरा मंदिर कन्हैया के रंग में रंग जाता है।

सरोकार की आवाजें जब कमजोर होती हैं तो 'विद्रोही' की कविताएं भीड़ की तरह बोलती हैं

■ चन्दिका

जीवन स्थायित्व की तलाश करता है। कवि ने अस्थायित्व को चुना। बेघर रहा, हर रात का दर ही उसका घर रहा। जहाँ शाम हो जाए, जहाँ नींद आ जाए वहीं घर हो जाए। उन्होंने जीवन इसी तरह जिया। रमाशंकर यादव नाम मिटता गया और वह विद्रोही बनता गया, कवि विद्रोही और विद्रोह का कवि। सबने उन्हें इसी नाम से जाना। लोगबाग जेएनयू आते तो उन्हें इसी नाम से खोजते। विद्रोही कुछ वक्त के लिए अगर कहीं चले जाते तो जेएनयू उन्हें इसी नाम से खोजता। यहीं उनका घर था।

यहाँ के ढाबे और यहाँ की सारी जगहों के रिक्त स्थानों में जरूरी शब्द की तरह जरूरी वक्त पर वे खड़े हो जाते। लड़ाई में लोग कम होते तो उनकी कविताएँ भीड़ की तरह बोलने लगतीं। जेएनयू के पत्थरों को उनके पीठ के निशान की आदत सी हो गई थी जो शायद अब भी बची हों। सर्दियों के एक दिन वह शहर की तरफ गया, छात्रों के साथ किसी लड़ाई का हमवार होने और लौटा तो उसकी लाश लौटी।

वह 3 बरस पहले के दिसंबर की यही शाम थी। कुछ नारे लगाते हुए, कुछ कविता बड़बड़ाते हुए वह चुप हो गया अचानक। वहीं, शहर और जुलूस की भीड़ के बीचोबीच। वह कविता के तौर-तरीक़ों से लेकर जीवन तक में विद्रोही रहा। वह कविताओं का लेखक नहीं था, एक बुनकर कवि था जो अपने ही भीतर कविताओं को बुनता-धुनता और वक्त-बेवक्त उन्हें सुनाता। कवि जिसका लिखा हुआ कुछ भी नहीं है, सब कुछ कहा हुआ है। उनका कहा हुआ ही और लोगों ने लिखा और एक अकेली उनकी किताब का शीर्षक दे दिया 'नयी खेती'। विद्रोही, इंसान के रूप में एक बिम्ब की तरह थे। सबको समझने का अलग-अलग मायने देते हुए, जीवन और लिबास में जर्जर, और एक मजबूत जनकवि उसके भीतर। लिबास से आदमी को पहचान करने वालों के लिए पूर्ण विराम लगाते हुए। इंसान की पहचान का कोई और मायने बताते हुए। वे इंसान को समझने और उसे भीतर से कहीं तलाशने का तौर देते थे। उस इंसान की भाषा में है, जो उसके जीवन जीने के सलीके में है। शुमार कवियों के नामों में उनका नाम छूट गया, छोड़ दिया गया। आलोचकों से भी, साहित्य के मठाधीशों से भी। बेशुमार नामों में छूटा हुआ होना ही उनका कवि होना है। एक अलग रास्ते का कवि, पगडंडी की तरफ जाता हुआ कवि। पढ़ाई अधूरी छोड़ दी, ऐसा लोग कहते हैं।

जबकि आख़िरी वक्त तक देश और दिल्ली की लड़ाई ही उनकी पढ़ाई रही। जुलूस, नारे, भीड़ और समारोह ही उनकी किताबें थीं। बदलाव की लड़ाइयों के हमवार रहे वे। सबकी बातों के बाद आख़िर में अपनी बात कहते, जोर से कहते और यही उनकी

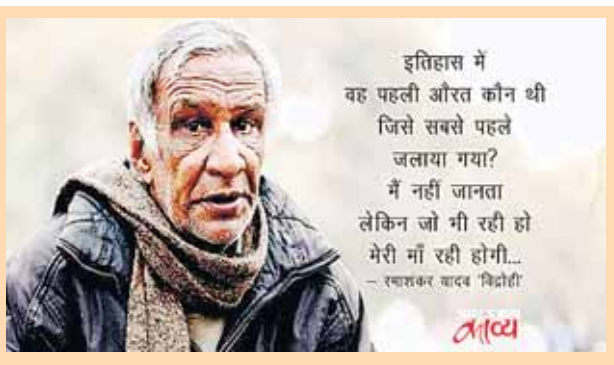

कविता होती। जिसमे इतिहास से वर्तमान तक सिमटा होता। वह इतिहास जो लिखा नहीं गया। जिसे लिखने के बजाय हर बार मिटाया जाता रहा। उसी मिटे हुए को वे सुनाते रहे। कविता में इतिहास को बताते रहे। वे अपने को बचाने की बात कहते हुए एक इतिहासबोध, एक सभ्यता को बचाने की बात करते हैं। वे लिखते हैं कि- **तुम वे सारे लोग मिलकर मुझे बचाओ**
जिसके खून के गारे से
पिरामिड बने, मीनारें बनीं, दीवारें बनीं
क्योंकि मुझको बचाना उस औरत को बचाना है
जिसकी लाश मोहनजोदड़ो के तालाब की आख़िरी सीढ़ी पर पड़ी है
मुझको बचाना उस इंसान को बचाना है
जिसकी हड्डियां तालाब में बिखरी पड़ी हैं
मुझको बचाना अपने पुरखों को बचाना है
मुझको बचाना अपने बच्चों को बचाना है
तुम मुझे बचाओ !
मैं तुम्हारा कवि हूँ
मैं किसान हूँ, आसमान में धान बो रहा हूँ

यह बचाना इतिहास में उस समाज को बचाना है, जो दुनिया को गढ़ रहा है और खुद लगातार मर रहा है। जिसका रचा हुआ ही इतिहास का बनना है, इतिहास की रचना है पर वहाँ से उसे गायब कर दिया गया है। यह एक चेतना है जो मेहनतकशों की गवाही के लिए विद्रोही अपनी कई कविताओं में खड़ा करते हैं। उनकी कविताएं सवाल करती थीं, तर्क करती थीं और जवाब देती थीं।

जिस तरह से उनका जीवन बनी बनाई मान्यताओं को तोड़ता हुआ जीवन था, उसी तरह कविताओं में वे सवालों और तर्कों के जरिए बनी हुई झूठी मान्यताओं को तोड़ते थे। धर्म से तर्क करते थे, विद्रोह की भाषा में उससे जिद करते थे, नई खेती कविता में वे बोलते हैं कि-

मैं किसान हूँ
आसमान में धान बो रहा हूँ
कुछ लोग कह रहे हैं
कि पगले आसमान में धान नहीं जमता
मैं कहता हूँ कि
गेगले-गोगले
अगर ज़मीन पर भगवान जम सकता है
तो आसमान में धान भी जम सकता है
...भविष्य में वह आख़िरी औरत कौन होगी

इस तरह वे सवाल करते। सवाल में तर्क करते और तर्क को जिद में बदल देते, जिद ही उनकी कविता के अंत का मूल होती है। जो उनके जीवन और कविता दोनों में दिखती है। अपनी एक कविता %औरत% जिसे वे अक्सर सुनाया करते थे, उसके अंत में भी तर्क के साथ इसी जिद के होने को हम देख सकते हैं। जिसे वे सवाल के सहारे बोलते हुए सुनाते कि-

इतिहास में वह पहली औरत कौन थी
जिसे सबसे पहले जलाया गया
मैं नहीं जानता
लेकिन जो भी रही होगी
मेरी माँ रही होगी
लेकिन मेरी चिंता यह है कि
भविष्य में वह आख़िरी औरत कौन होगी
जिसे सबसे अंत में जलाया जाएगा
मैं नहीं जानता
लेकिन जो भी होगी
मेरी बेटी होगी
और मैं यह नहीं होने दूंगा

यही जिद ही विद्रोह है। तर्कों से अपनी बात पर अडिग हो जाना ही उनका विद्रोही होना है। अपनी एक कविता 'पिछली सदी की आख़िरी रात में भी वे लिखते हैं कि-ऐ मेरे देवता !अब बहुत हो चुका,आदमी के लिए रास्ता छोड़ दो मैं गुनहगार हूँ,मुझको दे दो सज़ा, तुम गला काट लो, मेरा सिर तोड़ दो

धरती देखा गगन निहारा...

विद्रोही ने अवधी में भी कुछ कविताएँ लिखी। जिनके विषय अवध के लोग और अवध का लोक रहा। ज़मीन, बिरहा और आसपास को समझाते-बताते हुए। यह उनका अपना देस था जिसकी देसजता को वे बखूबी समझते और सुनाते रहते। हिंदी में कहते-बोलते हुए वे अवधी सुनाने लगते। वे इन्हीं तर्कों के साथ ही सहज बोलचाल की भाषा में सवाल की कविता करते। जवाब देते और उनकी उम्मीद भी वहीं से बनी रही। जहाँ लोग हैं, जहाँ सब मिलकर कुछ सोच रहे हैं। सब मिलकर ही सवालों को हल कर रहे हैं। अपनी 'कविता कोई राह निकल आएगी' में वे सुनाते हैं कि-

धरती देखा गगन निहारा
नहीं मिला जब कहीं सहारा
तब सोचा बाज़ार चलेंगे
भाव-ताव मालूम करेंगे
कुछ न होगा लोग मिलेंगे
चार पंच के दर्शन होंगे
चार पंच मिलकर सोचेंगे
कोई राह निकल आएगीर

– साभार

मुस्कान बालिका गृह में बालिकाओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, पुरस्कार भी मिले

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

मुस्कान बालिका गृह में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के द्वारा बालिकाओं का स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिन बालिकाओं का स्वास्थ्य सबसे अच्छा मिला उन्हें सम्मानित किया गया और पास्को एक्ट की जानकारी भी दी गई। सम्मान समारोह में सभापति राकेश जाधव, मंजीत कलोसिया, पत्रकार राजकुमार बाबरिया, बसंत चौहान, संस्था संचालक मनीष सिहं ठाकुर मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित सभापति राकेश जाधव ने कहा कि हम दो हमारे दो का नारा चलता है और व्यक्ति इतने बडे परिवार का भरण पोषण कर ले यही बहुत होता है। लेकिन हमारे बडे भाई मनीष ठाकुर हम दो हमारे सो की अवधारणा लेकर काम कर रहे हैं। उनके द्वारा संचालित मुस्कान संस्था बेसहारा बच्चों का लालन पालन कर रही है। यह बहुत बडी बात है। स्वास्थ्य परीक्षण में बालिका गृह अधीक्षक श्रीमती ऋतु राजपूत के सहयोग से महिला बाल विकास से बाल संरक्षण अधिकारी नर्मदापुरम आशु पटेल, परियोजना अधिकारी श्रीमती दीप्ति शुक्ला, श्रीमती मीना गठले, श्रीमती पूनम मौर्य उपस्थित रही। श्रीमती अर्चना बस्तवार और आशु पटेल द्वारा जानकारी दी गई कि नाबालिक बच्चों एवं बालिकाओं के लैंगिक अपराधों से सुरक्षा के लिए पाक्सो एक्ट 2012 लाया गया है। पाक्सो एक्ट में 18 वर्ष से कम उम्र के नाबालिक बालक बालिकाओं दोनों ही की सुरक्षा का प्रावधान है परंतु बच्चों में शोषण के प्रति जागरूकता ना होने के कारण 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे इसका शिकार होते हैं इसलिए समय की आवश्यकता को देखते हुए यह जरूरी हो गया कि हर बच्चा जागरूक हो ताकि वह अगर किसी दुष्कर्म का शिकार होता है तो वह किसकी जानकारी अपने परिजन को दे या समय पर जागरूक रहे इसलिए हर बच्चा स्वस्थ रहे सुरक्षित रहे जागरूकता बढ़ाने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की थीम पर रंगोली और नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के द्वारा मुस्कान की 40 बालिकाओं का स्वास्थ्य शिविर में जांच की गई जिसमें बालिकाओं का एच.बी और सिकल सैल एनीमिया टेस्ट किया गया एवं जरूरत के अनुसार उन्हें दवाइयां वितरित भी की गई ,स्वास्थ्य जांच एवं उचित सलाह डॉ.ज्योति कटारे, डॉक्टर प्रेसी येसुदास, डॉक्टर ज्योत्सना पंवल्या द्वारा दी गई एवं दवाइयां वितरण एवं जांच एएनएम श्रीमती सरोज मेहरा,श्रीमती शिवानी झालिया एवं आशा कार्यकर्ता विनम लोवंशी द्वारा की गई।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के इस विशेष आयोजन का आभार मुस्कान बालिका ग्रह से मोना जॉनसन ,विशाखा अंजिकार, अंजलि ठाकुर, संध्या शाह,रानी राजपूत द्वारा किया गया विशेष सहयोग आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना साहू, पूजा गौर, रेखा मालवीय ज्योति मढैया एवं सहायिका ऊषा रैकवार द्वारा किया गया ।

बनखेड़ी एवं पिपरिया के तहसीलदार कोर्ट के प्रकरणों की समीक्षा की

स्कूल में प्राचार्य एवं शिक्षकों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संभागायुक्त के जी तिवारी ने अपने बनखेडी एवं पिपरिया भ्रमण के दौरान सेमरी हरचंद के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं ग्राम करनपुर के प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला का आकस्मिक निरीक्षण किया। संभागायुक्त ने बनखेडी एवं पिपरिया के औचक निरीक्षण के दौरान तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार कोर्ट का भी निरीक्षण किया। संभागायुक्त शासकीय उच्च. मा. वि. सेमरी हरचंद में प्रात: 10:30 बजे पहुंचे। निरीक्षण के दौरान विद्यायल की प्राचार्य निर्धारित समय तक विद्यालय में उपस्थित नहीं हुई थी। विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति भी अत्यंत कम पाई गई जिस पर संभागायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उपस्थिति में सुधार करनें के सख्त निर्देश दिये। संभागायुक्त ने विद्यालय के निरीक्षण के दौरान पाया कि विद्यालय की छत अच्छी स्थिति में न होनें से बारिश का पानी टपकता है तथा खाली परिसर में पानी भर जाता है। संभागायुक्त ने स्कूल शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी को छत की मरम्मत करने के निर्देश दिये। संभागायुक्त ने निरीक्षण के दौरान पाया कि विद्यायल के कक्षो की साफ सफाई भी पर्याप्त रूप से नहीं की जा रही है। मौके पर उपस्थित स्टाफ द्वारा बताया गया कि अन्य स्टाफ भी विलंब से ही आता है। संभागायुक्त नें संबंधित अधिकारी को अविलंब उपस्थिति सुधारनें के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री तिवारी ने उपस्थित बच्चों को उनकी शैक्षिणिक गतिविधि के लिए मोटीवेट किया और उन्हें पढ़ लिख कर एक अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा दी। स्कूली बच्चों ने अपने मन की जिज्ञासा से संभागायुक्त को अवगत कराया। इसके पश्चात संभागायुक्त श्री तिवारी मा. एवं प्राथमिक शाला करणपुर पहुंचे। माध्यमिक विद्यालय में प्रभारी प्रधान पाठक सहित कुल तीन शिक्षक एवं 06 बच्चे उपस्थित पाये गए जबकि माध्यमिक शाला में 24 बच्चे दर्ज हैं। वहीं प्राथमिक शाला में 01 शिक्षक एवं 17 विद्यार्थी उपस्थित पाये गये जबकि शाला में 35 विद्यार्थी दर्ज हैं। संभागायुक्त ने रेण्डम आधार पर विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमता एवं कार्यकुशलता चैक की। कक्षा 02 के विद्यार्थी हिंदी

पढ़ने में असमर्थ थे। कक्षा 04 के विद्यार्थी मुश्किल से हिंदी पढ़ पा रहे थे। जिस पर संभागायुक्त ने शिक्षकों को हिदायत दी कि वे विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को सुधारे। विद्यार्थियों की कम उपस्थिति पर शिक्षको ने अपने तर्क दिये जिस पर संभागायुक्त ने असहमति व्यक्त करते हुए शिक्षकों को हिदायत दी कि वे विद्यार्थियों क लिखने एवं पढने की क्षमता को विकसित करे। संभागायुक?त ने कहा कि विद्यार्थियों की दर्ज संख्या एवं उपस्थिति अनुसार कार्य विभाजन कर शिक्षक पूर्ण निष्टा के साथ शैक्षणिक कार्य करे। संभागायुक्त ने प्रधान पाठक को तत्काल सुधार के लिए आवश्यक कार्यवाही करनें के निर्देश दिये।

संभागायुक्त ने तत्पश्चात बनखेडी के तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार कोर्ट का औचक निरीक्षण किया संभागायुक्त ने राजस्व प्रक्रिया के अनुसार नामांतरण, बंटवारा, नक्शा तरमीम, राजस्व अभिलेख के दुरुस्तीकरण का निरीक्षण किया और राजस्व महाअभियान 2.0 के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति का अवलोकन किया। संभागायुक्त ने राजस्व प्रकरण में हुए आदेश एवं निरस्त हुए आदेशो का अवलोकन किया। सभी शाखाओं में जाकर जांच की मौके पर मौजूद 30 से अधिक पटवारियों को नक्शा तरमीम के प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिये। संभागायुक्त ने ऑनलाइन रीडर एवं पीओ आई डी की जांच की। जो लंबित केस प्रदर्शित हो रहे थे, उसे ठीक करनें के निर्देश दिये। उन्होंने कार्यालय परिसर में और अधिक साफ सफाई करने के निर्देश दिये। इस दौरान तहसीलदार दिव्यांशु नामदेव, नायब तहसीलदार आर.एस. मरावी प्रवाचक अमर पाराशर एवं रवि मंगेर उपस्थित थे।

संभागायुक्त ने पिपरिया पहुंच कर तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण किया। उन्होने राजस्व महाअभियान 2.0 में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के मिलान करनें के निर्देश दिये तथा राजस्व अभिलेख में तत्काल सुधार करने एवं नक्शा तरमीम का कार्य त्रुटीरहित करने के निर्देश दिये। इस दौरान उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी पिपरिया ब्रजेन्द्र रावत उपस्थित थे ।

एसडीओपी कार्यालय को अन्य स्थान पर बनाने पर हुई चर्चा

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

मप्र पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने सिटी थाने का निरीक्षण किया। थाना परिसर में मौजूद एसडीओपी कार्यालय को नये स्थान पर शिफ्ट करने को लेकर स्थान विधायक श्री शर्मा ने देखा और एडिशनल एसपी आशुतोष प्रताप सिंह से चर्चा की।

न्यास कालोनी की सड़क को शहर की मुख्य सड़क से सीधे जोड़ने के लिये पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक सीतासरन शर्मा ने एक बार दोबारा प्रयास शुरू कर दिया है। सीधे सड़क जुड़ने में एसडीओपी कार्यालय बाधा उत्पन्न कर रहा है। आज विधायक श्री शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, भाजपा नेता भरत वर्मा, नगर भाजपा मंडल महामंत्री राहुल चौरे, नगरपालिका सभापति राकेश जाधव के साथ आज सिटी थाने पहुँचे। इस दौरान एसडीओपी महेन्द्र सिंह चौहान, टीआई गौरव सिंह बुंदेला भी उपस्थित रहे।ग

बुजुर्गों को बहुत सारे अधिकार सरकार ने दिए: न्यायाधीश

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

आप लोगों को बहुत सारे अधिकार सहित भरण पोषण का अधिकार सरकार ने दिए गए है। आप लोग यह सब मांग कर सकते हैं उक्त बात वरिष्ठ नागरिक गृह में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तबस्सुम खान ने वहा निवासरत बुजुर्ग नागरिकों से कही। न्यायाधीश श्रीमती खान ने बुजुर्गों को उनके मौलिक अधिकारों के विषय में बताते हुए कहा कि इस अवस्था में आप अपने परिवार से अपना भरण पोषण भत्ता प्राप्त कर सकते है। इसके लिए किसी भी प्रकार की विधिक सहायता आपको निःशुल्क प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि आपको बहुत सारे अधिकार और भरण भरण पोषण का अधिकार सरकार द्वारा दिया हुआ है। आप लोग इस सबकी मांग कर सकते हैं। जिसका क्षेत्राधिकार एसडीएम न्यायालय को दिया गया है। उन्होंने बताया कि हमने खुद भी ऐसे मामलों में बुजुर्गों का अधिकार उन्हें दिलवाया है । बाद में ईश्वर की ऐसी कृपा रही कि उनके परिवारजनों ने उन्हें अपना लिया। अब सभी बुजुर्ग राजीखुशी अपने परिजनों के साथ रह रहे हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिक गृह के बुजुर्गों से कहा कि आप लोगों को भी यदि ऐसी कोई समस्या हो और सहायता चाहिए तो आप लोग बताएं। उन्होंने कहा कि कई बार बुजुर्ग अपना आवेदन खुद नहीं लगा पाते हैं, तो इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क अधिवक्ताओं को भी उपलब्ध कराने का प्रावधान है। आपको कुछ नहीं करना है। सिर्फ आवेदन देना हैं।

बुजुर्गों ने बताई न्यायाधीश को समस्याएं

इस दौरान वरिष्ठ नागरिक गृह में रह रहें बुजुर्ग सुरेश पाटणकर ने न्यायाधीश को बताया कि पावर ऑफ अटॉर्नी के तहत बच्चों ने मकान बेचा, परंतु मुझे पैसा नहीं मिला। जिस पर न्यायाधीश श्रीमति खान ने उनसे कहा कि मकान के दस्तावेज और पावर ऑफ अटॉर्नी की कॉपी पेश करें। उसके बाद कार्यवाही होगी। वहीं एक अन्य बुजुर्ग महिला गेंदी बाई बाथव ने बताया कि मेरे मकान पर मेरी नातिन और उनके पति ने कब्जा कर मुझे घर से बाहर कर दिया है । जिस पर न्यायाधीश ने उनसे कहा कि आप एक आवेदन लगा दीजिए। कार्यवाही हम करेंगे।

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में एआई के दो कोर्स पढ़ाए जाएंगे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले के पीएम कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में आईआईटी दिल्ली के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दो नए सर्टिफिकेट कोर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फिनटेक विथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स पढ़ाए जाएंगे । यह दोनों सर्टिफिकेट कोर्स पूरी तरह निःशुल्क है । उच्च शिक्षा विभाग ने इन कोर्स के संचालन की स्वीकृति दे दी है। नर्मदा महाविद्यालय में दोनों सर्टिफिकेट कोर्स के लिए 8 -8 सीटे उपलब्ध है विद्यार्थियों से किसी भी तरह की कोई फीस नहीं ली जाएगी यह कोर्स पूरी तरह निशुल्क है सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि 90 घंटे है विद्यार्थियों से रू.1000 सुरक्षा निधि के रूप में जमा करवाए जाएंगे कोर्स पूरा होने पर इसे वापस कर दिया जाएगा ।

चयन प्रक्रिया एवं एडमिशन

इन सर्टिफिकेट कोर्स हेतु विद्यार्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाएगा । प्रवेश चयन परीक्षा के मापदंड उच्चशिक्षा विभाग द्वारा तैयार किये जायंगे । और मेरिट लिस्ट निकाल कर विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा । महाविद्यालय में ही प्रवेश परीक्षा होगी और उसका मूल्यांकन होगा । चयन के बाद छात्रों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीयन प्रक्रिया को पूरा करना होगा और इसके बाद ही छात्र का प्रवेश सुनिश्चित माना जाएगा।

इनका कहना है..

'जिले में शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में, द्व के दोनों नए सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होने से स्थानीय छात्र-छात्राओं को विशेष लाभ होगा यह कोर्स पूर्णतया निशुल्क है एक छात्र केवल एक ही कोर्स कर सकता है इस संबंध में छात्रों से एप्लीकेशन मंगवाने की प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू होगी ।'

डॉ. ओ एन चौबे प्राचार्य शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम

डेंगू की रोकथाम के लिए घर-घर सर्वे एवं फॉगिंग कार्य निरंतर जारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

बारिश के मौसम के दृष्टिगत डेंगू, मलेरिया, जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के प्रभावी रोकथाम के लिए कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार मलेरिया विभाग द्वारा अभियान के रूप में घर-घर सर्वे एवं फॉगिंग कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला मलेरिया टीम द्वारा नर्मदापुरम शहर के मालाखेड़ी छेत्र में घर-घर जाकर लार्वा सर्वे, लार्वा विनिष्टिकरण का कार्य किया गया। ऐसे स्थान जहाँ वर्षाकाल में पानी का जमाव होता है एवं मच्छरों का लार्वा पनपने की संभावना होती है उन्हें खाली कराया गया तथा रुके हुए पानी में टीमोफॉस डाला गया। घरों के ऊपर जमा टायरों को हटवाया गया साथ ही प्रचार सामग्री का वितरण कर आम जन को डेंगू से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। डेंगू के मच्छर घरो के आस-पास जमा पानी, कूलर, गमले, सीमेन्ट की टंकी, पानी की होज, छत पर रखी टंकिया, मटके, टायर आदि में जमा पानी में पनपते है। आमजन से अपील की है कि डेंगू से बचाव हेतु घर के आसपास पानी न जमा होने दे। रुके हुये पानी की निकासी करे। यदि निकासी संभव न हो तो मिट्टी का तेल या जला हुआ तेल डाल दे। शाम को सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करे। घर के खिड़की दरवाजे में मच्छर रोधी जाली लगवाये, पूरी आस्तीन के कपड़े पहने कूलर, टंकी, होज, नांद, तथा पानी के कंटेनरो की सप्ताह में एक बार सफाई अवश्य करें।

मेट्रो एंकर | जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

नवीन कानून दंड नहीं बल्कि न्याय पर केंद्रित है

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को कलेक्टर कार्यालय स्थित सभा कक्ष में भारतीय न्याय संहिता बी.एन.एस एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बी.एन.एस एस के संबंध में जिला अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिला अभियोजन अधिकारी राजकुमार नेमा द्वारा देशभर में 1 जुलाई से लागू हुए नवीन भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक जानकारी दी गई। श्री नेमा द्वारा जानकारी दी गई कि इन तीनों कानून का उद्देश्य विभिन्न अपराधों और उनकी सजा को परिभाषित कर देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है। उन्होंने कहा कि ये नवीन कानून दंड नहीं बल्कि न्याय केंद्रित हैं। पुरानी दंड संहिता का औपनिवेशिक चरित्र, विधि व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए, समकालीन आवश्यकताओं के लिए, पुरानी दंड संहिता के जटिल होने के कारण, जुर्माना व्यावहारिक ना होने के कारण नवीन भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता को लागू करने की आवश्यकता हुई है।

जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा बताया गया कि भारतीय न्याय संहिता में 358 धाराओं एवं 20 अध्याय का प्रावधान है जिसमें से पांचवें अध्याय में महिला और बालक के विरुद्ध अपराधों से संबंधित है। उन्होंने समस्त अधिकारियों को इस

अध्याय की विभिन्न धाराओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री नेमा ने बताया कि अदालतों में पेश और स्वीकार्य साक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड, ईमेल, सर्वर लॉग, कंप्यूटर, स्मार्टफोन, लैपटॉप, एसएमएस, वेबसाइट, स्थानीय साक्ष्य, मेल, उपकरणों के मैजेस को शामिल किया गया है। केस डायरी, एफआईआर, आरोप पत्र और फैसले सहित सभी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड का कानूनी प्रभाव, वैधता और प्रवर्तनीयता कागजी रिकॉर्ड के समान ही होगी। अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये भी न्यायालयों में पेशी हो सकेगी।

जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा लोक स्थल पर लोक सेवकों के साथ घटित होने वाले अपराधों के बारे में भी विस्तृत रूप से सभी जिला अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने पूर्व में आईपीसी की धाराओं तथा नवीन बीएनएस की धाराओं के मध्य अंतर बताकर सरल शब्दों में लोक सेवकों को उनके अधिकारों के बारे में बताया। श्री नेमा द्वारा अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी इस प्रशिक्षण कार्यशाला में किया गया। भारतीय न्याय संहिता 2023 में जोड़ी गई नवीन परिभाषाओं के संबंध में भी जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता 2023 में कतिपय नवीन अपराधों को सम्मिलित किया गया है जो पूर्व में भारतीय दंड संहिता 1860 में सम्मिलित नहीं थे इसकी भी जानकारी विस्तृत रूप अधिकारियों को प्रदान की।

प्रशिक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर, जिला अभियोजन अधिकारी दिनेश कुमार यादव आदि अधिकारी गण उपस्थित रहे।

आऔ मेरी जाने जा तुम पर हो खुदा की अमां पिछड़े हुये फिर मिलेंगे किस्मत ने गर मिला दिया

सिरोंज के प्रसिद्ध राजनैतिक समाजवादी विचारक पूर्व मंत्री महरूम मास्टर शरीफ सा. के छोटे फरजम मो. शोऐब खान अपने भाई बहनों को छोड़कर दुनिया को अलविदा कह गये आज उनको एक साल का अरसा गुजर चुका है। आज भी उनकी यादे हमारे दिलो में जिन्दा है पूरा परिवार इस गम में बराबर का शरीक रहा अल्ला से दया है कि उन्हें जन्नतुल फिरदौस में जगह दे आमीन आज प्रथम पुर्णयतिथि पर हम दुख पुखत करते हुये अश्रुपुरित श्रद्धजंलि अर्पित करते हैं।

शोकाकुल

शमीम खॉन, रिटायर लिपिक जल संसाधन विभाग उप संभाग
श्रीमति नसीम अख्तर, रिटायर वन विभाग
शकील खान सिरोंज, श्रीमति शहनाज खॉन भोपाल

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी (बी-पैक्स) मर्यादित झूकरहौज शाखा- सिरोंज जिला-विदिशा म.प्र.

पंजीयन क्रमांक 526/09.05.1967

साधारण वार्षिक आमसभा सूचना

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी (बी-पैक्स) मर्यादित झूकरहौज के समस्त अशंधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक साधारण आमसभा दिनांक 02/09/2024 दिन-सोमवार, समय -दोपहर 12 बजे, स्थान- समिति कार्यालय गोदाम भवन पर आयोजित की जायेगी। जिसमें समस्त अधिकारिगणों/ सदस्यों को साधारण डाक द्वारा भी सूचना दी गई है जिसमें आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

कोरम के अभाव में बैठक उसी दिन स्थान पर 1/2 घंटे पश्चात की जावेगी जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

समिति प्रबंधक — बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी (बी-पैक्स) मर्यादित-झूकरहौज (शाखा -सिरोंज)

प्रशासक — बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी (बी-पैक्स) मर्यादित-झूकरहौज (शाखा -सिरोंज)

सबलपुर में लाखों रुपए की लागत से बन रहा तालाब पहली बारिश में ही लीक

वाटरशेट के काम की भी खुल चुकी है पोल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अधिकांश ग्राम पंचायत में मनरेगा योजना तथा 14 वे वित की राशि से तालाबों का निर्माण किया गया है एवं कई जगह निर्माण चल रहा है। जिनमें निर्माण के दौरान गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इनके घटिया काम की पोल भी विकासखंड में पहली बार हुई सीजन की जोरदार बारिश में खुल ती हुई दिखाई दे रही है ।ग्राम पंचायत पिपलियाहट के ग्राम सब्दलपुर में 16 लख रुपए से ऊपर की राशि से तालाब का निर्माण ग्राम पंचायत के द्वारा करवाया जा रहा है। जो पहली बारिश को भी जेल नहीं पा रहा है । मनरेगा तथा 14 वे वित्त की राशि को मिलकर निर्माण करके कार्य हो रहा है। बारिश के बाद जैसे ही तालाब पानी से भर आया तो जगह-जगह से पानी उसमें से लीकेज हो रहा है। जिस रफ्तार से पानी इस तालाब में से निकल रहा है, उसको देखते हुए ऐसा लग रहा है कि कुछ दिनों में ही तालाब पूरी तरह से खाली हो जाएगा साथ ही जिस उद्देश्य को लेकर इस तालाब का निर्माण और लाखो खर्च करके बनाया गया उसका फायदा भी ग्रामीणों को नहीं मिल पाएगा समय रहते समय अधिकारियों और इंजीनियरों के द्वारा गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य को अंजाम दिया गया। इस तरह की तस्वीर सामने नहीं आती ग्रामीणों ने बताया कि जब तालाब का काम करवाया रहा था उसकी जांच भी की गई उस समय अधिकारी देखने भी गए होते तो शायद इस तरह की तस्वीर सामने नहीं आती इस तरह की स्थिति निर्मित नहीं होती ऐसे हालात कई और पंचायत में भी देखने को मिला रहे जहां पर लाखों रुपए की लागत से तालाबों का निर्माण किया गया है पर वह बारिश के बाद जैसे ही इनमें पानी भरा है तो जगह-जगह से लीकेज हो रहे हैं कुछ दिनों के बाद यहां क्षतिग्रस्त हो जाएंगे।

वाटर सेट के काम की भी खुल रही है पोल - ग्राम पंचायत सरेखो में भी अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत वाटर सेट योजना से 45 लाख की लगा से तीन तालाबों का निर्माण करवाया गया जिसमें से दो तालाब पहली बरसात में ही लीकेज होगा यहां तो बड़ी क्षेत्र मिट्टी भी खिसक गई है पानी बचाई नहीं है तालाब में इसको देखते हुए ऐसा लग रहा है कि इस योजना के अंतर्गत गुणवत्ता का कोई ध्यान नहीं दिया गया है ।जबकि इस ग्राम पंचायत के सरपंच सबसे युवा सरपंच के द्वारा जल संरक्षण के प्रति किए गए काम की तारीफ करने के लिए इंदौर और दिल्ली की टीम में भी आई थी इनके द्वारा काम की तारीफ गई थी पर वाटर सेट योजना के अंतर्गत किए गए काम की पोल भी खुल रही है। गुणवत्ता के साथ काम किया होता तो ऐसी तस्वीर यहां से भी सामने नहीं आती।

इनका कहना है -

सब्दलपुर में जिस तालाब का निर्माण हुआ है अभी उसका भुगतान नहीं हुआ है लीकेज की शिकायत आई है उसको ठीक करवाने के लिए इंजीनियरों को निर्देश दिए गए हैं। बारिश खत्म होने के बाद काम करवाएंगे गुणवत्ता के साथ काम होने के बाद ही भुगतान करेंगे ।

वंदना शर्मा जनपद सीईओ

चंद्रयान-3 सफलता पर महाविद्यालय में हुए विभिन्न कार्यक्रम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चंद्रयान-3 की सफलता की प्रथम वर्षगांठ अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाई गई। इस उपलक्ष्य में महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण से संबंधित लघु फिल्म दिखाई गई तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं जिसमें प्रश्नोत्तरी , मॉडल मेकिंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवराम राजपूत , द्वितीय स्थान रूपवती राठौर एवं तृतीय स्थान अलजगल खान एवं निशा नामदेव ने प्राप्त किया । पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर उमा पाल एवं द्वितीय स्थान पर निशा नामदेव रही। इसरो की अभूतपूर्व सफलता पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर सीताराम तिवारी एवं डॉक्टर आर के वाखला ने अपने विचार प्रस्तुत किए । कार्यक्रम का आयोजन डॉ रुबी ताम्रकार, डॉ अभिषेक चौहान, डॉ सम्रथ निनामा , प्रो संघप्रिय गौतम, प्रो वीरेंद्र सेन, प्रो कल्पेश चौधरी एवं प्रो नरेंद्र दांगी एवम प्रो राहुल गौड़ ने किया। निर्णायक की भूमिका डॉ सोनिया पटेल एवं प्रो भगवत पाल ने निभाई। कार्यक्रम की सफलता पर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने स्टाफ एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत ने कार्यक्रम प्रभारी डॉक्टर रूबी ताम्रकार, स्टाफ एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ एवं बहु संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने खुले बोरवेल के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश किए जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रौशन कुमार सिंह ने अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों (बोरवेल, ट्यूबबेल) में छोटे बच्चो के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने विदिशा जिले में अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों (बोरवेल, ट्यूबबेल) में छोटे बच्चों के गिरने संबंधी दुर्घटनाओं रोकने व नियंत्रण की कार्यवाही हेतु संपूर्ण विदिशा जिले की राजस्व सीमाओं में आगामी आदेश पर्यन्त तक विदिशा जिले के समस्त अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों (बोरवेल, ट्यूबबेल) की जानकारी एकत्रित कर उन्हे सुरक्षित रूप से बंद करने की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जाए।

विदिशा जिले की सीमा क्षेत्रांतर्गत जिन बोरवेल का उपयोग नही किया जाता है, या जिन बोरवेल में मोटर नही डली है। जिन में बोर केप नही लगा है, ऐसे समस्त खुले बोरो में बोर केप संबंधित मकान मालिक, किसान, संस्था को लगवाये जाने हेतु आदेशित किया गया है।। आदेश दिनांक के पश्चात् किसी भी व्यक्ति के खेत भूमि अथवा भवन में खुले नलकूपों की सूचना प्राप्त होती है, तो जॉच में सिद्ध पाये जाने की दशा में संबंधित के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक आदेश की अवहेलना पाये जाने के फलस्वरूप एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही संपादित की जाएगी। अनुपयोगी अथवा खुले पड़े हुए बोरवेल को लोहे के मजबूत ढक्कन, केप से नट बोल्टों की सहायता से मजबूती के साथ बंद किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों, नगरीय क्षेत्रों में संबंधित क्षेत्र के कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, मुख्य नगरपालिका अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण कर उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करवाये जाने हेतु उत्तरदायी होंगे।

जिले में पीएम जन-मन शिविरों में अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पीएम जन-मन शिविरों का विदिशा जिले में आयोजन शुक्रवार से शुरू हो गया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने ततसंबंध में निर्देश दिए हैं कि इन शिविरों में जिला अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो तथा सभी जिला अधिकारी प्रतिदिन पीएम जनमन के कैंपों के संबंध में अपना प्रतिवेदन व फोटोग्राफ जिला अधिकारियों के वाट्स एप ग्रुप टीम विदिशा में शेयर करेंगे।

कैंप आयोजन संबंधी दिशा निर्देश - कलेक्टर सिंह ने जिले में पीएम जन-मन शिविरों का सुव्यवस्थित रूप से आयोजन कर जिले में चिंहित सहारिया जनजाति वर्ग बाहुल्य क्षेत्रों के रहवासियों को निर्धारित योजनाओं एवं कार्यक्रमों से शत् प्रतिशत लाभांवित किया जाना है। पी.एम. जनमन अंतर्गत सहरिया जाति के हितग्राहियों के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाए जाने हेतु प्रत्येक विकासखण्ड में कैंप का आयोजन जारी सूची अनुसार किया जाना है। उक्त कैंप के आयोजन हेतु सामान्य निर्देश कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी किए गए तदनुसार कैंप हेतु जनपदवार ग्रामों का चयन सर्वाधिक लंबित हितग्राहियों की संख्या के आधार पर किया गया है। इसके लिए आवश्यक है कि उक्त कैंप पूर्ण गम्भीरता के साथ आयोजित किये जायें।

इस कार्य के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विकासखण्ड स्तर पर नोडल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत सहायक नोडल रहेगे।

जनमन कैंप के दौरान मुख्य रूप से आधार ध् ई-केवाईसी ध्आयुष्मान कार्डध् समग्र आई.डी. संबंधी कार्य ध् जन्म प्रमाण पत्रध् जाति प्रमाण पत्रध्भूमि मैपिंग के कार्य कराये जावें, इसके अतिरिक्त अन्य गतिविधि भी की जा सकती है। इसमें स्कूली छात्रों के भी आधार संबंधी कार्य किये जायें।

पत्र के साथ संलग्न सूची में आयुष्मान कार्ड के लंबित हितग्राहियों का काउंट संलग्न है। इसके अतिरिक्त अन्य विषयों जैसें आधार, समग्र, ई-केवाईसी, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र के लंबित हितग्राहियों की सूची उपलब्ध कराई जावें, तथा शत्प्रतिशत सेचुरेशन किया जावें। विकासखण्ड स्तर पर कैंप हेतु ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को कैंप के लिए नोडल नामांकित किया गया है, जिसकी सूची संलग्न है।

ग्राम पिपलिया हाट में चल रही संगीतमय श्री मद भागवत कथा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिपलियाहट में चल रही सप्ताह संगीत में श्रीमद् भागवत कथा में तृतीय दिवस पर कथा व्यास पंडित विनोद भार्गव शास्त्री ने विधुर जी के घर भगवान श्री कृष्ण ने द्रियोधन के छप्पन प्रकार के व्यंजन त्याग कर केले के छिलके का भोग लगाने के बारे में बताया उन्होंने कहा भगवान आपके छप्पन भोग या सम्पत्ति के भूखे नही उन्हें परमात्मा प्रेम से प्रगट होते हैं,। उन्होंने भगवान कपिल जी अवतार,नरसिंह अवतार, मतस्य अवतार,वामन अवतार, परशुराम जी अवतार, भगवान श्री राम अवतार, यानी कि भगवान के सभी अवतारों के बारे में बताया उन्होंने अपने कथा प्रवचन के माध्यम से बताया कि हम लोग जन्म लेते है बड़े बुजुर्ग होते है मर जाते है जीवन के पहलुओं को हमने समझने प्रयास ही नही किया हमे संस्कारी चरित्र वान अभिवादन शील सदाचारी होना चाहिए, बड़ों का सम्मान होना चाहिए हमें किसी के लिए निकृष्ट दृष्टि की भावना नही होना चाहिये हर छोटी बड़ी समस्या में कभी घबराना नही चाहिए हर विषम एव सम परिस्थितियों में प्रभु का नाम स्मरण करते रहना चाहिए हमे भगवान कृष्ण के जीवन से यह सीख लेने चाहिए कि उनका जीवन कितना संकट में रहा हम छोटी छोटी परिस्थितियों में घबरा जाते है देखिये कृष्ण का जन्म कहा हुआ जहा डांकु, चोर,लुटेरे कुकृत्य करने वाले व्यक्तियों को बंदी बनाकर रखा जाता है।

कार पुलिया से टकराई 4 घायल

सिरोंज। शनिवार को थाना मुगलसराय के ग्राम महाराज खेड़ी पुलिया पर तेज रफ्तार कर पुलिया से टकरा गई। जिसमें दो बच्चे व एक महिला को निकाल कर इलाज के लिए सिरोंज अस्पताल भेजा गया एवं ड्राइवर गाड़ी में फस गया जिसका नाम पंकज जैन पिता रमेश चंद्र जैन निवासी सिरोंज को डायल हंड्रेड की मदद व ग्राम जनों के द्वारा सुरक्षित बाहर निकाल कर बाद में सिरोंज में इलाज के लिए लाया गया।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या: शनिवार को मुगलसराय थाना अंतर्गत ग्राम अजीमाबाद में अज्ञात कारणों से 21 वर्षीय राम मणि कुशवाहा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पुलिस ने मर्ग कायम करके मामले को विवेचना में लिया है। वहीं शासकीय राजीव गांधी गांधी जन चिकित्सालय में पीएम के बाद लाश परिजनों को सौंप दी।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, (मुख्यालय) नगरीय पुलिस जिला भोपाल

क्रमांक/पु.उपा./ न.पु/ भो/ रनि/ निविदा/820/24 दिनांक 20/08/2024

पुनः- ई-निविदा सूचना

''मध्यप्रदेश भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 यथा संसोधित 2022'' के नियमानुसार इस कार्यालय शासकीय वाहनों हेतु टायर एवं ट्यूब के क्रय हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य विवरण	निविदा शुल्क	अनुमानित व्यय राशि (जीएसटी सहित)	ईएमडी
1	जिला पुलिस बल भोपाल में उपलब्ध शासकीय वाहनों हेतु टायर एवं ट्यूब का क्रय	5,000/-	62,00,000/-	1,86,000/-

1. निविदा पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय)नगरीय पुलिस भोपाल म.प्र. के नाम से बेवसाईट **www.mptenders.gov.in** पर ऑनलाईन जमा की जावेंगी। 2. निविदा शुल्क एवं ईएमडी ऑनलाईन जमा करना अनिवार्य है। 3. मप्र पुलिस की बेवसाईट **www.mppolice.gov.in** से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है।

शेड्यूलः-

निविदा पब्लिकेशन दिनांक	दिनांक 21/08/2024 के 12.00 बजे
निविदा डाउनलोड करने की तिथि	दिनांक 21/08/2024 के 12.00 बजे से
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 04/09/2024 के 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 05/09/2024 के 12.00 बजे
निविदा खोले जाने का स्थान	पुराना पुलिस कन्ट्रोल रूम भोपाल

पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, नगरीय पुलिस भोपाल

G-15252/24

मेट्रो एंकर त्योहार भाईचारे के प्रतीक, शांति समिति की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर की अपील:अफवाहों पर ध्यान ना दें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिले का इतिहास रहा है कि सभी त्यौहार भाईचारे की भावना को और अधिक बढ़ावा देते है। आगामी त्यौहारो के परिपेक्ष्य में की जाने वाली तैयारियों की बिन्दुवार चर्चा आज शांति समिति की बैठक में की गई। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई इस बैठक में उन्होंने समिति के पदाधिकारियों द्वारा दिए गए जन हितैषी सुझावो के साथ-साथ आवश्यक व्यवस्थाओं का क्रियान्वयन के संबंध में विभागो के अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए है। विदिशा के पुलिस कंट्रोल रूम के सभाकक्ष में आगामी पर्व जन्माष्टमी, गणेश उत्सव, मिलाद-उन-नवी सहित अन्य त्यौहारो के परिपेक्ष्य में आयोजित की गई उक्त शांति समिति की बैठक में सभी समुदायो के सम्माननीय प्रतिनिधिगण व समिति के अन्य सदस्यगणों के अलावा, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, अपर कलेक्टर अनिल डामोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में साफ-सफाई, आवारा मवेशियों की रोकथाम, पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, ध्वनि प्रदूषण और

विसर्जन घाट पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संदर्भ में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जबावदेंही सौपी गई है संबंधितों से अपेक्षा व्यक्त की गई कि वे अस्थायी विद्युत कनेक्शन लेने के उपरांत बिजली का उपयोग करे। कहीं भी कटे फटे वायरो का बिजली आपूर्ति के कार्यो में उपयोग नहीं किया जाए। त्यौहारो के दौरान बिजली की आपूर्ति सतत बनी रहें के प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को दिए गए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जुलूस और चल समारोह जिस रूट से निकलेंगे उस मार्ग पर कहीं भी जर्जर भवन व छज्जा ना हो का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने अन्य जिलो में घटित दुर्घटनाओ को रेखांकित करते हुए कहा कि चल समारोह जुलूस को देखने के लिए कई बार छज्जो पर अधिक संख्या में नागरिक चढ़ जाने के फलस्वरूप जीर्ण-शीर्ण छज्जे गिरने से अप्रिय घटना घटित हो जाती है अतः ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पूर्व में ही जीर्ण-शीर्ण भवनो ओर छतो को डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी समारोह के आयोजन पूर्व विधिवत सूचनाएं जिला प्रशासन को अवश्य दी जाए और ऐसे आवेदन जहां अनुमति की आवश्यकता है उस क्षेत्र के एसडीएम से विधिवत प्राप्त की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि त्यौहार खुशियों के प्रतीक है अतः जिले के सभी नागरिक सौहार्द पूर्ण वातावरण में मिलकर त्यौहारो को मनाएंगे और जिले की शांति मिसाल को बरकरार रखेंगे। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बैठक में कहा कि सभी बडे आयोजन स्थलों पर सीसी कैमरे लगाए जाएं ताकि निगरानी करने में और सुरक्षा के पाइंट व्यू से मदद मिल सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहे जो सोशल मीडिया पर प्रसारित होती है से स्वंय बचे और दूसरो को सुरक्षित रहने की सीख दें। यदि कहीं किसी के द्वारा किसी भी प्रकार से अप्रिय स्थिति को निर्मित करने के संकेत नजर आते है।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी वनमंडल सामान्य राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

टेलीफोन -(07372) 255007(का) 255008(नि.) ई-मेल - dfotrajgarh@mp.gov.in

// विज्ञप्ति//

अंतिम रूप से राजसात वाहनों के विक्रय हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि सामान्य वनमण्डल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र. के अंतर्गत निम्नानुसार अंतिम रूप से राजसात वाहनो का ''जहां है, जैसा है उसी स्थिति में'' के सिद्धांत पर निवर्तन किये जाने हेतु निम्नानुसार नीलामी हेतु निविदा आमंत्रित करना संसूचित है। नीलाम की शर्त एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में कार्यालय वनमण्डलाधिकारी सामान्य वनमण्डल राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र. से प्राप्त की जा सकती है।

-वाहनों का विवरण-

क्र.	वाहन का विवरण		स्थल जहां वाहन रखा है।
	वाहन का प्रकार	वाहन का पंजीयन क्रमांक	
1	2	3	4
1	बोलेरो पिकअप	MP 04 GA 5089	डिपो राजगढ़
2	हीरोहोण्डा सीडी मो. सा.	RJ 17 SB 5871	डिपो राजगढ़
3	टाटा सफारी	MP 04 CE2447	डिपो राजगढ़
4	बजाज डिस्कवर मो. सा.	MP 39 MA 1748	डिपो राजगढ़
5	अल्टो कार	MP 04 CM 8174	डिपो राजगढ़
6	पिकअप वाहन	MP 39 G 2805	डिपो राजगढ़
7	मोटर सायकल	MP 42 MC 7671	डिपो राजगढ़
8	एनएक्सजी मोटर सायकल	MP 04 DM 1971	डिपो राजगढ़
9	मोटर सायकल	MP 08 MJ 1419	डिपो राजगढ़
10	स्पलेण्डर मोटर सायकल	MP 09 XM 7795	डिपो राजगढ़
11	टाटा मैजिक	MP 09 LQ 0638	डिपो ब्यावरा
12	महेंद्र पिकअप	MP 39 GA 0638	डिपो ब्यावरा

उपरोक्त वाहनों की नीलामी निविदा निम्नानुसार दिनांकों को समय अपरांह 02.00 बजे तक वनमण्डल कार्यालय राजगढ़ में स्वीकार की जाकर उसी दिनांक को समय दोपहर 03.00 बजे से उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी। नीलामी निविदा फार्म एवं निविदा शर्ते निम्नानुसार दिनांकों या उसके पूर्व वनमण्डल कार्यालय राजगढ़ से कार्यालयीन समय में निर्धारित शुल्क राशि रू. 200/- ऑनलाईन चालन के माध्यम से जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।

प्रथम नीलामी निविदा दिनांक	द्वितीय नीलामी निविदा दिनांक	तृतीय नीलामी निविदा दिनांक
19/09/2024	26/09/2024	01/10/2024

अतएव बोली लगाने के इच्छुक व्यक्तियों को बोली लगाने के पूर्व दो पहिया वाहन हेतु राशि रू. 5000/- एवं चार पहिया वाहन हेतु राशि रू. 10.000/- की सत्यंकार राशि जो किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से बैंक ड्राफ्ट के रूप में वनमण्डलाधिकारी सामान्य राजगढ़ के नाम देय हो, प्रस्तुत करना होगी।

(वेणी प्रसाद बौतानिया भा.व.से वनमण्डलाधिकारी, सामान्य वनमण्डल राजगढ़

G-15209/24

अच्छी नींद संपूर्ण सेहत के लिए बेहद जरूरी है। अच्छी नींद से शरीर ठीक से रिकवर करता है, इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और हमारी सोचने-समझने की क्षमता भी बेहतर होती है। हालांकि नींद को कई कारक प्रभावित करते हैं, जैसे अच्छी नींद के लिए कमरे का तापमान सही होना और आरामदेह बिस्तर भी जरूरी है। ऐसे ही यदि सोने के 3 से 4 घंटे पहले भोजन कर लें, दोपहर के बाद चाय-कॉफी का उपयोग कम करें तो इससे भी नींद अच्छी आती है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है अच्छी नींद, सोने से 3-4 घंटे पहले करें डिनर

सोने से एक घंटे पहले गैजेट बंद करें

स्मार्टफोन, टैबलेट, और कंप्यूटर जैसे डिवाइस से निकलने वाली ब्लू लाइट हार्मोन मेलाटोनिन के उत्पादन में बाधा डाल सकती है। यह हार्मोन हमारी नींद को नियंत्रित करता है।

सुझाव: सोने से कम से कम एक घंटे पहले इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का उपयोग न करें। अगर इन्हें इस्तेमाल करना जरूरी हो तो ब्लू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें।

ब्रीदिंग तकनीक 4-7-8 अपनाएं

रिलैक्सेशन तकनीकों का अभ्यास सोने से पहले शरीर को यह संकेत देता है कि अब आराम का समय है। डीप ब्रीदिंग, प्रोग्रेसिव मसल रिलैक्सेशन और 4-7-8 ब्रीदिंग जैसी तकनीक तनाव को कम कर मन को शांत करती हैं।

सुझाव: अपने सोने के रूटीन में 4-7-8 ब्रीदिंग तकनीक को शामिल करें, जिससे गहरी नींद पाने में मदद मिलती है।

रोज नियमित समय पर सोएं-जागें

हमारा शरीर सर्केडियन रिदम पर काम करता है, जो 24 घंटे का नेचुरल साइकिल है। यह रोशनी और अंधेरे से नियंत्रित होता है। रोज नियमित समय पर सोने और जागने से यह इंटरनल क्लॉक नियमित रहती है, जिससे सोने और जागने में आसानी होती है। इसके अलावा इन तीन वैज्ञानिक तरीकों को अपनाकर भी आप नींद की गुणवत्ता सुधार सकते हैं।

सुझाव: वीकेंड पर भी निश्चित समय पर सोएं। शरीर का सोने-जागने का चक्र मजबूत होता है।

मैनचेस्टर टेस्ट: क्रिस वोक्स को 6 विकेट; जेमी स्मिथ प्लेयर ऑफ द मैच

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 5 विकेट से हराया

मैनचेस्टर. एजेंसी

मैच जीतने के बाद जो रुट और क्रिस वोक्स सेलिब्रेट करते हुए। श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 5 विकेट से हरा दिया। 206 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की तरफ से जो रुट ने 62 रन बनाए। दूसरी पारी में श्रीलंकाई टीम ने 326 रन बनाए थे।

विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश चंडीमल ने 79 और कमिंडु मेंडिस ने 113 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की तरफ से मैथ्यू पॉट्स और क्रिस वोक्स ने 3-3 विकेट लिए। इंग्लैंड ने रन चेज करते समय 70 रन पर 3 विकेट खो दिए थे, लेकिन अनुभवी बल्लेबाज जो रुट एक तरफ से टिके रहे। उन्होंने 128 बॉल पर 62 रन की पारी खेली। प्लेयर ऑफ द मैच जेमी स्मिथ ने पहली पारी में 111 और दूसरी पारी में 39 रन बनाए। इससे पहले इंग्लैंड पहली पारी में 358 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम से विकेटकीपर जैमी स्मिथ ने करियर का पहला शतक लगाया। श्रीलंकाई टीम ने पहली पारी में 236 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने तीसरे दिन 259/6 के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। जैमी स्मिथ ने 72 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया, उनके सामने गस एटकिंसन 20 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन टीम का स्कोर 300 के पार पहुंच गया। स्मिथ ने शतक लगाया, लेकिन वह भी 111 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

दूसरे दिन इंग्लैंड ने बनाई बढ़त

मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 22/0 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम से जो रूट ने 42, हैरी ब्रूक ने 56 और और डैन लॉरेंस ने 30 रन बनाए। बारिश के कारण दिन का खेल शुरू होने में देरी हुई थी, लेकिन टीम ने 6 विकेट खोकर 259 रन बना लिए। श्रीलंका 236 रन बनाकर सिमटा था, इसलिए इंग्लैंड को 23 रन की बढ़त मिली।

टेनिस: क्वार्टरफाइनल में डेनिल मेदवेदेव से हो सकती है टक्कर

न्यूयॉर्क. एजेंसी

विश्व नंबर एक पुरुष एकल खिलाड़ी इटली के जेनिक सिनर को साल के अंतिम ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कठिन ड्रॉ मिला है। ड्रॉ के अनुसार, सिनर का क्वार्टरफाइनल में पूर्व चैंपियन रूस के डेनिल मेदवेदेव से सामना हो सकता है। अगर वे क्वार्टरफाइनल से आगे बढ़ते हैं तो अंतिम 4 में उनके सामने स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्कारेज की चुनौती होगी। सिनर पहले दौर में अमरीका के मैकेंजी मैक्डोनाल्ड से भिड़ेंगे।

न्यूजीलैंड-श्रीलंका छह दिन का होगा पहला टेस्ट मैच

कोलंबो. एजेंसी

श्रीलंका क्रिकेट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, पहला टेस्ट मैच छह दिन का खेला जाएगा। आमतौर पर टेस्ट मैच पांच दिन का होता है, लेकिन श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव होने के कारण 21 सितंबर को खेल नहीं हो पाएगा।

पेरिस पैरालंपिक: भारत की पैरा तीरंदाज शीतल देवी पर होंगी नजरें

28 से होगा खेलों का आगाज 549 स्वर्ण पदक होंगे दांव पर

नईदिल्ली. एजेंसी

पेरिस में ओलंपिक के बाद अब पैरालंपिक खेलों का आगाज होने जा रहा है। 28 अगस्त से शुरू होने वाले पैरालंपिक खेलों में 184 देशों के 4,500 पैरा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जो 11 दिन तक चलने वाले इस आयोजन में 22 खेलों में 549 स्वर्ण पदकों पर दांव लगाएंगे। इस दौरान कुछ पैरा खिलाड़ी ऐसे हैं जिन पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी होंगी, इनमें भारत की पैरा तीरंदाज शीतल देवी सबसे आगे हैं जो पैरों से निशाना साधती हैं। आइए नजर डालते हैं पैरालंपिक में हिस्सा लेने जा रहे कुछ चर्चित पैरा खिलाड़ियों पर...

दिएडे डी ग्रूट (नीदरलैंड्स), व्हीलचेयर टेनिस

डी ग्रूट व्हीलचेयर टेनिस के एकल और युगल वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी हैं। उन्होंने टोक्यो में दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीता था। डी ग्रूट सात साल की उम्र से व्हीलचेयर टेनिस खेल रही हैं। वे लगातार तीन कैलेंडर ग्रैंड स्लेम (साल के सभी ग्रैंड स्लेम) जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। रोलां गैरों में वे 5 बार फ्रेंच ओपन एकल व छह बार युगल खिताब जीत चुकी हैं।

शीतल देवी (भारत), पैरा तीरंदाजी

17 साल की शीतल का यह पहला पैरालंपिक है। वे टूर्नामेंट में हिस्सा लेने जा रहे सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक हैं। शीतल दुनिया की पहली ऐसी महिला पैरा तीरंदाज हैं जिनके दोनों हाथ नहीं हैं और वह पैरों से निशाना साधती हैं। शीतल ने पैरा एशियन गेम्स में दो स्वर्ण पदक जीते थे। वे 2023 की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता हैं। दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज शीतल अब पेरिस में दमदार प्रदर्शन से अपनी धाक जमाने उतरेंगी।

अदिति, नेहा, पुलकित और मानसी ने जीते स्वर्ण पदक

अम्मान (जोर्डन). एजेंसी। भारतीय महिला पहलवान अदिति कुमारी (43 किग्रा), नेहा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा) व मानसी लाठर (73 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-17 विश्व कैडेट कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिए। वहीं काजल (69 किग्रा) और श्रुतिका शिवाजी पाटिल (46 किग्रा) ने भी फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारतीय टीम का ट्रॉफी जीतना तय माना जा रहा है। अदिति ने यूनान की मारिया लौइजा को फाइनल में 7-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, नेहा ने फाइनल में जापान की सो सुतसुई को पछाड़ दिया। पुलकित ने तटस्थ एथलीट के रूप में प्रतिस्पर्धा कर रही डारिया फ्रोलोवा पर 6-3 से जीत हासिल की।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वापसी कर अब दिया जवाब

फेस सर्जरी और ट्रोलिंग की तनातनी में फंसीं आयशा टाकिया

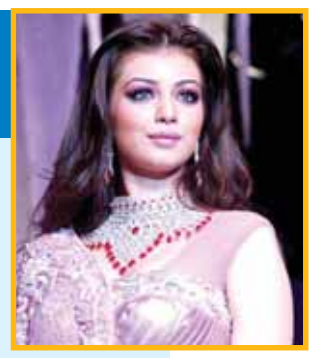

आयशा टाकिया ने अपनी प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों के कारण अपने अकाउंट को डीएक्टिवेट करने के बाद इंस्टाग्राम पर वापसी कर ली है । बता दें कि हैवी मेकअप के साथ ब्लू और गोल्डन साड़ी में आयशा की एक तस्वीर वायरल हुई थी। आयशा टाकिया बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। आयशा ने फिल्म टार्जन- द वंडर कार से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में वह अभिनेता वत्सल सेठ के अपोजिट नजर आईं थीं। इसके अलावा टार्जन द वंडर कार में अजय देवगन भी नजर आए थे। इन दिनों आयशा अपनी चेहरे की सर्जरी को लेकर काफी ट्रोल हो रही है, जिसके चलते उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी डीएक्टिवेट कर दिया था। अब आयशा फिर से इंस्टाग्राम पर वापस आ गई हैं और एक नई वीडियो पोस्ट कर ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। आयशा टाकिया ने अपनी प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों के कारण अपने अकाउंट को डीएक्टिवेट करने के बाद इंस्टाग्राम पर वापसी कर ली है । बता दें कि हैवी मेकअप के साथ ब्लू और गोल्डन साड़ी में आयशा की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें कई यूजर्स ने टिप्पणी की थी कि वह पहचानने लायक नहीं लग रही थीं, जिसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाने का फैसला किया था। हालांकि, अभिनेत्री अब अपने ट्रोल्स पर कटाक्ष करने के लिए इंस्टाग्राम पर लौट आई हैं। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आयशा ने ब्लैक टी और जींस पहने हुए खुद का एक बूमरैंग वीडियो शेयर किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, बहुत विनम्र, बहुत सावधान। एक और स्टोरी में, उन्होंने एक कोट पोस्ट किया जिसमें लिखा था, क्या आपने देखा कि मैंने कैसे जवाब नहीं दिया? बता दें कि आयशा को आखिरी बार 2011 में आई फिल्म मोड़ में देखा गया था, जिसके बाद उन्होंने फिल्मों से हमेशा के लिए किनारा कर लिया।

'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन के साथ शूटिंग कर रहे हैं विंदू दारा सिंह

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म सन ऑफ सरदार एक सफल फिल्म है, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। अश्विनी धीर निर्देशित इस एक्शन कॉमेडी में कई अजय देवगन, संजय दत्त सहित अन्य कई कलाकार नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कामयाब रही थी। इस वजह से लंबे समय से इसके अगले भाग को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। अब हाल में ही बिंदू दारा सिंह ने सन ऑफ सरदार 2 को लेकर कई खुलासे किए हैं। विंदू दारा सिंह ने सन ऑफ सरदार 2 को लेकर दी जानकारी हाल में ही एक इंटरव्यू में विंदू दारा सिंह ने सन ऑफ सरदार 2 में काम करने की पुष्टि की है। अभिनेता ने जानकारी देते हुए कहा, हां, मैं उनके साथ काम कर रहा हूं, उनके साथ शूटिंग कर रहा हूं। इस दौरान उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि वह और अजय एक बेहतरीन बॉन्ड साझा करते हैं और वे बचपन से दोस्त हैं। इस आगामी फिल्म को लेकर बात करते हुए उन्होंने कहा, हालांकि शीर्षक वही है, लेकिन कहानी अलग है। यह एक शानदार और बहुत ही मजेदार फिल्म है। विंदू दारा सिंह ने फिल्म को काफी ज्यादा मनोरंजक बताया है। उन्होंने कहा कि फिल्म में इतनी कॉमडी होने वाली हैं कि लोग हंस-हंस कर पागल हो जाएंगे। इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। ये फिल्म लगातार चर्चाओं में बनी भी हुई थी, इसे लेकर लगातार नई अटकलें सामने आ रही थी, अब आखिरकार ये फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है। इससे अजय देवगन के फैंस काफी उत्साहित है। वहीं, विंदू ने अजय देवगन के साथ अपने रिश्ते को बताते हुए कहा कि वो उनके लिए परिवार की तरह हैं। बताते चलें कि सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग फिलहाल यूके में हो रही है, जिसमें अजय देवगन और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इनके अलावा, फिल्म में चंकी पांडे, विंदू दारा सिंह, संजय मिश्रा, रवि किशन, नीरू बाजवा, दीपक डोबरियाल, कुबरा सैत, मुकुल देव, शरत सक्सेना, रोशनी वालिया, अश्विनी कालसेकर आदि अन्य कलाकार भी काम कर रहे हैं। विंदू दारा सिंह इस फिल्म के पहले भाग में भी नजर आए थे। वहीं, इस बार निर्देशन की जिम्मेदारी पंजाबी फिल्म निर्देशक विजय कुमार अरोड़ा को दी गई है। फिल्म साल 2025 में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

इमरजेंसी बनाते वक्त अभिनेत्री कंगना रणौत के साथ हुई थी साजिश, कहा-

कास्टिंग निर्देशकों ने काम करने से किया मना

अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रणौत अक्सर अपने बेबाक बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। मुखर अभिनेत्री कंगना रणौत अपनी आने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में एक बातचीत में, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि लोग अभिनेताओं को बुलाकर कहते थे कि वे 'इमरजेंसी' में उनके साथ काम न करें। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने और क्या कहा है। हाल ही में अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके खिलाफ एक साजिश चल रही थी और इसने उनकी फिल्म के निर्माण को प्रभावित किया। अपने हालिया साक्षात्कारों में से एक में, अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि कई कास्टिंग निर्देशकों, सिनेमैटोग्राफरों और अभिनेताओं ने उनके साथ काम करने से इनकार कर दिया। एक इंटरव्यू में कंगना ने कहा कि उनके खिलाफ बहुत साजिश रची गई थी, जिसमें लोग दूसरे एक्टर्स को पहले से ही फोन करके उनके साथ काम न करने की हिदायत दे रहे थे। उन्होंने कहा, कई कास्टिंग डायरेक्टर्स और डीओपी ने मेरे साथ काम करने से मना कर दिया। एक्टर्स को मेरे साथ काम न करने के लिए कॉल आ रहे थे। मेरे खिलाफ बहुत साजिश रची गई थी। अभिनेता ने तब खुद को काफी भाग्यशाली बताया कि तमाम परेशानियों के बावजूद उन्हें अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, सतीश कौशिक और महिमा चौधरी जैसे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि यह दुनिया का सबसे अच्छा एहसास है, जब विपरीत परिस्थितियों में लोग आपके साथ काम करने के लिए सहमत होते हैं। उन्होंने आगे दावा किया, उनकी 'इमरजेंसी' की कास्ट न केवल उनके साथ काम करने के लिए सहमत हुई बल्कि उनके साथ बेहद सम्मान और प्यार से पेश आई। बता दें कि अभिनेत्री कंगना जल्द ही अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' के साथ एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कंगना के अलावा श्रेयस तलपड़े, सतीश कौशिक, महिमा चौधरी मुख्य भूमिका में हैं।

एक हफ्ते में मिले लीड रोल

स्त्री-2 हिट होते ही चमक गई अभिषेक बनर्जी की किस्मत

अभिनेता अभिषेक बनर्जी की दो-दो फिल्में रिलीज हुई। इनमें एक थी- स्त्री 2 और दूसरी थी- वेदा। स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस की रेस में तेजी से दौड़ती जा रही है और वेदा सुस्त पड़ चुकी है। स्त्री 2 के सफल होने के बाद अभिषेक बनर्जी के सितारे भी बुलंद हो गए हैं और उन्हें मुख्य किरदार के ऑफर आना शुरु हो गए हैं। अभिषेक बनर्जी ने एक हालिया साक्षात्कार में बताया कि उन्हें बीते हफ्ते तीन-तीन लीड रोल का ऑफर आया। अभिषेक ने करियर में आए इस बदलाव पर बात करते हुए कहा कि पहले इस तरह के किरदार का ऑफर नहीं आता था, लेकिन अब एकदम से ऐसा होने लगा है। पहले कम बजट वाले ऑफर मिला करते थे। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उन्हें जिन-जिन रोल का ऑफर मिला है, पहले वो उन्हें पढ़ेंगे और उसके बाद ही फैसला लेंगे कि उन्हें क्या करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बात से करियर पर काफी फर्क पड़ता है। उन्होंने कहा कि वो ऐसी फिल्मों में काम करना चाहते हैं, जो लोगों का मनोरंजन करती हों। एक फिल्म के अच्छे प्रदर्शन और दूसरी से दर्शकों की दूरी होने के मामले पर बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि स्त्री 2 के किरदारों के बारे में लोग पहले से ही जानते थे, क्योंकि पहले भाग में वे उन्हें देख चुके थे और यह एक बड़ी फिल्म भी है। वहीं, वेदा पर बोलते हुए अभिषेक ने कहा कि निखिल ने एक बढ़िया फिल्म बनाई है और उन्होंने लोगों को फिल्म के आखिर में ताली बजाते हुए भी देखा है। अभिषेक ने दोनों फिल्मों के टिकट खिड़की पर प्रदर्शन को लेकर कहा कि ये कुल मिलाकर एक खट्टा-मीठा अनुभव है। स्त्री 2 की कमाई की बात करें तो फिल्म 300 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो चुकी है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने नौ दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 309.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। अब इसकी निगाहें 400 करोड़ क्लब पर है। वहीं, वेदा अभी तक 50 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है। इसने नौ दिन में भारत में केवल 17.9 करोड़ रुपये का ही कारोबार किया है।

पांच साल से डॉक्टर के घर नौकरी कर रहे थे आरोपी दपंति

डॉक्टर दंपति को नींद की गोलियां खिलाकर नौकर-नौकरानी ले उड़े पांच लाख का माल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शिव मंदिर के पास चूनाभट्टी में रहने वाले डॉक्टर दंपति को नींद की गोलियां खिलाकर घर में काम करने वाले नौकर व नौकरानी अलमारी में रखे आभूषण व नगदी समेत करीब पांच लाख रुपए का माल चुरा ले गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी नौकरी व नौकरानी आपस में पति-पत्नी हैं। मामले का खुलासा शुक्रवार सुबह उस समय हुआ जब महिला डॉक्टर के पिता बैंग्लुरु से भोपाल पहुंचे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी दंपति की खोजबीन शुरू कर दी है। रियादी डॉक्टर का कहना है कि चोरी गई संपत्ति का पूरा ब्यौरा अभी उनके पास नहीं है। चोरी गए सामान की कीमत इससे ज्यादा भी हो सकती है। पुलिस के मुताबिक शिव मंदिर के पास चूनाभट्टी निवासी डॉक्टर विजय निचलानी (61) सीनियर डॉक्टर हैं और अपने तीन मंजिला मकान में परिवार के साथ रहते हैं। मकान में ही उनका क्लीनिक है। उसी मकान में उनकी बेटी व दामाद हरेन्द्र मेघानी भी रहते हैं। बेटी व दामाद भी डॉक्टर हैं और अलग प्रेक्टिस

करते हैं। दो दिन पहले डॉ. विजय निचलानी किसी काम से परिवार समेत बैंग्लुरु गए हुए थे। शुक्रवार सुबह वह लाइट से भोपाल लौटे और अपने दामाद हरेन्द्र मेघानी को कॉल किया। दरअसल दामाद उन्हें लेने एयरपोर्ट आने वाले थे। कई बार कॉल करने के बाद भी दामाद व बेटी ने कॉल रिसीव नहीं किया। नतीजतन उन्होंने अपने घर में रहने वाले नौकर गगन को फोन लगाया। लेकिन गगन ने भी फोन नहीं उठाया। डॉ. निचलानी टैक्सी से अपने घर आ गए। यहां उन्होंने देखा कि दरवाजा भीतर से बंद है और बेल बजाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। काफी देर बाद दामाद डॉ. हरेन्द्र मेघानी ने दरवाजा खोला।

मदहोशी की हालत में थे दामाद

डॉ. विजय निचलानी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि दामाद मदहोशी की हालत में दिख रहे थे। पूछने पर उन्होंने बताया कि चक्कर आ रहे हैं। ीतर जाकर देखने पर बेटी की हालत भी ठीक नजर नहीं आ रही थी। कमरे में सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी के पट ी खुले हुए थे। निरीक्षण करने पर पता चला कि अलमारी में रखी नगदी व कीमती जेवरात गायब थे।

गायब हैं नौकर-नौकरानी

डॉ. विजय निचलानी ने पुलिस को बताया कि नेपाल निवासी गगन व उसकी पत्नी संगीता बीते पांच साल से उनके घर में काम कर रहे थे। संगीता घर में खाना बनाने और साफ-सफाई का काम करती जबकि उसका पति गगन घर के दूसरे सारे काम करता था। वे दोनों घर की छत पर बने कमरे में रहते थे। घटना के बाद से दोनों गायब हैं। फरियादी का कहना है कि गगन व संगीता ने उनकी बेटी व दामाद को नींद की गोलियां खिलाकर लाखों रुपए की चोरी की है। पुलिस ने आरोपी दंपति के खिलाफ चोरी व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर के बरखेड़ी कृष्ण मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर तैयारी शुरू हो गई है।

तालाब में मिली युवक की लाश, चाचा ने की शिनाख्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तलैया थाना क्षेत्र स्थित बड़े तालाब में शनिवार सुबह एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से लाश पानी के बाहर निकाल पीएम के लिए भेज दी। मृतक का हुलिया सोशल मीडिया पर वायरल करने के बाद मृतक की पहचान उसके चाचा द्वारा कर ली गई। पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब साड़े 10 बजे के आसपास बड़े तालाब में कुछ लोगों ने जलकुंभी के बीच पानी में एक युवक की लाश देखकर गोताखोरों को सूचना दी थी। गोताखोरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बाहर निकलवाकर पीएम के लिए भेज दी। मृतक का हुलिया सोशल मीडिया पर वायरल किया गया तो मृतक की पहचान सुरेश पिता परसराम (45) निवासी बैरागड़ के रूप में कर ली गई। मृतक के चाचा ने पुलिस को बताया कि सुरेश बैरागड़ में ही एक दुकान पर काम करता था। उसके माता-पिता नहीं है। करीब तीन दिन से वह दुकान भी नहीं गया था। अनुमान है कि लाश दो दिन पुरानी है।

मौसेरे भाई के दोस्त ने युवती से किया रेप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा थाना क्षेत्र में मौसेरे भाई के दोस्त द्वारा युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना दो साल पुरानी है, लेकिन आरोपी उसे परेशान करने लगा और पीड़िता ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने आरोपी पर प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 23 साल की युवती पड़ोसी के जिले की है। वह निशातपुरा इलाके में रहकर प्रायवेट काम कर रही है। उसके गांव के पास ही रहने वाले अंकित नामक युवक का युवती के मौसी के घर आना-जाना था। वह मौसेरे भाई का दोस्त है। करीब 3 साल पहले दोनों के बीच दोस्ती हो गई और वह एक-दूसरे से बातचीत करने लगे। यह बात परिजन को पता चला कि उन्होंने युवती को समझाइश दी और दोनों की बात बंद हो गई। युवती पड़ाई करने के लिए भोपाल पहुंची और निशातपुरा में अकेले किराए से रहने लगी। अगस्त 2022 में अंकित भोपाल आया और जरूरी बात करने का कहकर युवती के घर पहुंचा, वहां उसने युवती से दुष्कर्म किया। कुछ दिन तक वह ठीक से रहा बाद में युवती को शारीरिक संबंध बनाने के लिए प्रताड़ित करने लगा। 21 अगस्त को अंकित ने युवती के कार्यालय जाकर जमकर हंगामा किया। इसकी जानकारी युवती ने परिजन को दी। परिजन भोपाल पहुंचे और युवती को लेकर निशातपुरा पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां पुलिस ने युवती के बयान दर्ज किए। इसके बाद आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया।

किशोरी से 40 साल के मामा ने की अश्लील हरकत

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र में 16 साल की किशोरी से 40 साल के मामा द्वारा अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस किशोरी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ छोड़छाड़ का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार इलाके की झुग्गीबस्ती में रहने वाली 16 साल की किशोरी घर पर ही रहती है। उसकी मां एक दुकान पर काम करती है। उसके साथ चालीस साल का मामा भी रहता है। गुरुवार रात करीब साड़े 9 बजे किशोरी घर पर अकेली थी, तभी मामा ने उसके साथ अश्लील हरकत कर दी। पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो मामा ने उससे मारपीट भी की। शुक्रवार रात पीड़िता ने मां को घटना की जानकारी दी और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पिपलानी में बदमाशों ने 2 लोगों से मोबाइल लूटे स्कूटर और बाइक सवार बदमाश ने की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी थाना क्षेत्र में घर के सामने टहल रहे दो युवकों से बाइक सवार लुटेरे मोबाइल लूट ले गए। दोनों ही वारदातों को स्कूटर और बाइक सवार बदमाशों ने की। एक मामले में तीन संदेहियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि दूसरे मामले में आरोपियों का सुराग नहीं लग सका है। जानकारी के अनुसार बी-सेक्टर इंद्रपुरी पिपलानी में रहने वाले चंदन पवार (40) खुद का व्यवसाय करते हैं। बीती 17 अगस्त की रात करीब साड़े 9 बजे वह घर के सामने टहल रहे थे, तभी स्कूटर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे और हाथ से मोबाइल छीनकर भाग निकले। लूटे गए मोबाइल की कीमत 20 हजार रुपए बताई गई है। चंदन ने इस मामले की शिकायत ई-एफआईआर के माध्यम से की थी। शुक्रवार को पुलिस ने बयान लेने के बाद अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया. इसी प्रकार लूट की दूसरी वारदात गुरुवार की रात करीब साड़े 8 बजे कल्पना नगर में हुई। यहां रहने वाले लोकेश कुमार मोहबे (30) खाना खाने के बाद घर सामने टहल रहे थे। इसी बीच बगैर नंबर की मोटर सायकिल पर आए तीन लड़कों ने उन्हें चाकू अड़ा दिया और मोबाइल छीनकर भाग निकले। आरोपियों की उम्र 20 से 25 वर्ष बताई गई थी। साथ ही लोकेश ने बदमाशों का पूरा हुलिया भी पुलिस को बताया था। फरियादी की सूचना से पकड़ाए बदमाश शुक्रवार को लोकेश ने पुलिस को सूचना दी कि मोबाइल

लूटने वाले तीनों लड़के एचईटी बैंक पिपलानी के पास मौजूद हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों को हिरासत में लिया है। पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम मुजाहिद खान, आकाश दुबे और राज साहू बताया। उनके पास से लूटा गया मोबाइल जब्त कर लिया गया है। नोटों से भरे बैग चोरी का खुलासा पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दो सप्ताह पहले उन्होंने मंदाकिनी परिसर स्थित एक टेलर की दुकान के सामने खड़ी बाइक पर लटका एक बैग चोरी किया था। बैग में कुल 60 हजार रुपए रखे हुए थे। पुलिस ने 15 हजार पांच सौ रुपए जब्त किए हैं, जबकि बाकी रुपये बदमाशों ने खर्च कर दिये है। इधर चंदन पवार का मोबाइल लूटने वाले स्कूटर सवार बदमाशों का कुछ पता नहीं चल पाया है।

फीडर बस के सामने ऑटो अड़ाकर घुसे लुटेरे, लूटे 11 हजार व मोबाइल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित पुल पातरा के पास बीती रात करीब साड़े दस बजे आटो से लुटेरों ने चाकूबाजी करते हुए बस कंडक्टर और ड्राइवर से 11 हजार रुपए की नगदी लूट ली। लुटेरों ने चाकू से ड्राइवर और कंडक्टर पर हमला किया है। इस बीच लुटेरों ने यात्रियों से भी मारपीट की है। पुलिस ने लुटेरों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार राजेश लोवंशी नीली बस में कंडक्टर है। उनकी बस मंडीदीप से जवाहर चौक चलती है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वे शनिवार रात बस में यात्रियों को लेकर जा रहे थे, तभी पुल पातरा के पास नसीम और उसका साथी आटो से पहुंचा और बस के सामने आटो अड़ाकर बस रोक ली। बस रुकने के बाद आरोपी बस में घुसे और ड्राइवर कंडक्टर पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपियों ने कंडक्टर और ड्राइवर से 11 हजार रुपए की नगदी और मोबाइल छीन लिए। बदमाशों ने बस में बैठे यात्रियों से भी चाकू की नोक पर मारपीट और लूटपाट की है। हालांकि पुलिस का कहना हैड़कि आरोपियों की दुश्मनी ड्राइवर और कंडक्टर से थी। पुरानी रंजिश के कारण उन्होंने मारपीट और लूटपाट की है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

'एक दिन बिक जाएगा...'

भोपाल, दोपहर मेट्रो। समन्वय भवन में मिलन म्यूजिकल ग्रुप द्वारा 'एक दिन बिक जाएगा... कार्यक्रम में मुकेश के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देते हुए सिंगर। - फोटो निर्मल व्यास

बीएचएमएस डॉक्टर कर रहा था एलोपैथिक इलाज, प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया में सब्जी मंडी के पास शुलभ शौचालय के सामने अवैध रूप से क्लीनिक चलाने वाले बीएचएमएस डॉक्टर पर बागसेवनिया पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उक्त एफआईआर सीएमएचओ के प्रतिवेदन पर की गई। दरअसल, सीएमएचओ ने क्लीनिक का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में पता चला कि क्लीनिक में एलोपैथिक दवाइयां है और डॉक्टर होम्यौपैथी का है। पुलिस के अनुसार बागसेवनिया हाट बाजार के पास विक्की क्लीनिक का सीएमएचओ ने औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण में पता चला कि यहां डॉक्टर विकास गिरी क्लीनिक चला रहे हैं। उन्होंने क्लीनिक चलाने के लिए लायसेंस नहीं लिया था। वे बीएचएमएस के डॉक्टर है। बावजूद इसके वह क्लीनिक में एलोपैथिक दवाइयां मरीजों को दे रहे थे। बिना लायसेंस की क्लीनिक संचालित करने के कारण सीएमएचओ ने बागसेविनया पुलिस को प्रतिवेदन दिया था। प्रतिवेदन के आधार पर पुलिस ने विक्की क्लीनिक के संचालक डॉ. विकास गिरी पर पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

- सीएमएचओ ने टीम के साथ किया निरीक्षण, बिना लायसेंस के चला रहा था क्लीनिक

मेट्रो एंकर सूखीसेवनिया में चोपड़ा कला गांव में जेके टायर शोरूम के सामने हादसा

पीतांबरा धाम से दर्शन कर लौट रहे व्यवसायी की कार को बस ने मारी टक्कर, दो मौत, एक गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम चोपड़ा कला के पास स्कूल बस ने कार को टक्कर मार दी। आमने सामने की टक्कर होने से कार सवार व्यवसायी समेत उनके परिचित की मौत हो गई, जबकि एक अन्य दोस्त गंभीर है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसा शुक्रवार सुबह करीब सात बजे के आसपास का है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाली बस को जब्त कर लिया है। आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 40 साल के विवेक यादव, थाना कोतवाली, जिला जबलपुर के हैं। उनका स्वयं का व्यवसाय हैं। वह अपने रिश्तेदार राजकुमार यादव (52) और दोस्त दीपक तिवारी (48) के साथ दतिया स्थित मां पीतांबरा धाम के दर्शन करने गए थे। तीनों ने मंदिर में दर्शन किए और विवेक की ईको स्पोर्ट्स कार से भोपाल के लिए निकल गए। कार दीपक तिवारी चला रहे थे, जबकि विवेक उनके बगल में को पैसेंजर सीट पर बैठे थे। राजकुमार पीछे वाली सीट पर बैठे हुए थे।

शुक्रवार सुबह करीब साड़े सात वह सूखी सेवनिया स्थित ग्राम चोपड़ कला में जेके टायर शोरूम के पास पहुंचे, तभी भानपुर से सूखी सेवनिया की तरफ जा रही तेज रफ्तार स्कूल बस ने उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों को गंभीर चोट आई थी।

इलाज के दौरान हुई दीपक की मौत: हादसा होते ही आसपास लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद डाक्टर ने दीपक तिवारी को मृत घोषित कर दिया। विवेक और राजकुमार का इलाज चल रहा था। इस बीच जबलपुर से भोपाल पहुंचे परिजन राजकुमार को इलाज के लिए जबलपुर लेकर चले गए। शनिवार सुबह सूचना मिली कि निजी अस्पताल में राजकुमार की भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि राजकुमार की पसली टूटकर कर अंदर धंस गई थी। इसके अलावा बायां कंधे में भी गंभीर चोट थी। शरीर के अंदर ब्लीडिंग होने लगी थी। पुलिस ने विवेक की रिपोर्ट पर बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हादसे के समय बस बच्चों को स्कूल छोड़कर वापस लौट रही थी।

सीट बेल्ट ने बचाई जान: हादसे के समय स्कूल बस का चालक बस में अकेला था। बस खाली होने के कारण वह तेज रफ्तार में चला रहा था। जेके टायर शोरूम के सामने पहुंचते ही उसने सामने से आ रही व्यवसायी की ईको स्पोर्ट्स कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगते समय केवल विवेक ही सीट बेल्ट पहने हुए थे। टक्कर ड्राइवर साइट से लगने के कारण कार चला रहे दीपक तिवारी और पीछे बैठे राजकुमार यादव की मौत हो गई।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित अटल अय्युब नगर में गुरुवार रात तीन बदमाशों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर एक युवक से मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू पेट में लगने से युवक को गंभीर चोट आई है। बीच-बचाव करने पर युवक के सेठ से भी आरोपियों ने मारपीट की और बाइक में तोडफोड़ कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और तोड़फोड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार विदिशा निवासी विनोद अहिरवार (28) करोंद मंडी स्थित अभिषेक ठाकुर की आलू-प्याज की दुकान पर काम करता है और वहीं रहता है। गुरुवार रात करीब साड़े 10 बजे वह अपने सेठ अभिषेक के साथ बाइक से अटल अय्युब नगर से होकर मंडी की तरफ जा रहा था। इसी बीच रास्ते में निखिल रैकवार, नौमान और मुन्ना रैकवार अपने दो अन्य साथियों के साथ मिल गए। विनोद को देखते ही पुरानी बात को लेकर वह उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। विनोद ने गालीगलौज करने से मना किया तो आरोपी भड़क गए और मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। अभिषेक ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो उसके हाथ पर भी चाकू मारा है। उसके बाद आरोपी उनकी बाइक में तोडफोड़ करते हुए मौके से भाग निकले। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने विनोद की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

बुजुर्ग पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र के मुख्य गेट के पास बाइक सवार बुजुर्ग पर दो युवकों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू बुजुर्ग के कंधे और पैर में लगा है। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमला करने वाले आरोपी भी बाइक पर सवार थे। फिलहाल हमले का कारण और आरोपियों का कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस के अनुसार आरिफ खान (59) ऐशबाग में रहते हैं। वह औद्योगिक क्षेत्र स्थित बंसल कंपनी के वर्कशाप में सुपरवाइजर का काम करते हैं। शुक्रवार रात करीब सात बजे वह बाइक से घर जाने के लिए निकले थे। औद्योगिक क्षेत्र स्थित मेन गेट से रायसेन रोड पर आते समय पीछे से बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। उन्होंने चाकू से आरिफ पर हमला किया। एक चाकू कंधे के पास और दूसरे पैर में घुटने के ऊपर लगा। हमला करने के बाद दोनों आरोपी मौके से भाग निकले। घटना के बाद आरिफ घर पहुंचे, जिसके बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि फरियादी के विस्तृत बयान लेने के बाद ही घटना के कारणों और

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022